सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

बेमौसम बारिश-ओलावृष्टि से फसलों को भारी नुकसान पेज: 6

आरती छाबड़ीया ने बॉलीवुड की राजनिती.... पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 02 | शुक्रवार 03 अप्रैल 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

युद्ध के बीच भारत बना संकटमोचक, बगावत भुलाकर पड़ोसियों को दी एनर्जी सुरक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका-इजरायल युद्ध ने पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति को झकझोर कर रख दिया है। विशेष रूप से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के बंद होने से, जहां से वैश्विक तेल और गैस का 20 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है, दक्षिण एशियाई देशों में हाहाकार मचा है। इस महासंकट के बीच भारत ने अपनी नेबरहुड फर्स्ट (पड़ोसी प्रथम) नीति का परिचय देते हुए उन देशों की ओर भी मदद का हाथ बढ़ाया है, जिन्होंने हाल के वर्षों में भारत विरोधी रुख अपनाया था। मालदीव और बांग्लादेश जैसे देशों ने, जो कभी इंडिया आउट और बॉयकॉट इंडिया जैसे अभियानों में मशगूल थे, आज गहरे ईंधन संकट के समय नई दिल्ली को ही अपना सबसे भरोसेमंद साथी पाया है।

मालदीव की बात करें तो राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने इंडिया आउट के नारे पर सत्ता हासिल की थी और भारतीय सैन्य कर्मियों को बाहर निकाल दिया था। हालांकि, युद्ध के कारण तेल की किल्लत और चीन से तत्काल राहत न मिलने पर उन्हें भारत का ही रुख करना पड़ा। भारत ने कूटनीतिक परिपक्वता दिखाते हुए मालदीव के पर्यटन उद्योग को बचाने के लिए आपातकालीन कोटे के तहत पेट्रोल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की विशेष खेप भेजी है। मुइज्जू ने अब भारत को मालदीव का सबसे भरोसेमंद साझेदार स्वीकार किया है। इसी तरह, बांग्लादेश में अगस्त 2024 के सत्ता परिवर्तन के बाद उभरी भारत विरोधी भावनाओं और बॉयकॉट इंडिया अभियान के बावजूद, भारत ने मानवता को प्राथमिकता दी है। ईरान युद्ध के कारण बांग्लादेश का पावर ग्रिड और कपड़ा उद्योग ठप होने की कगार पर है। ऐसे में भारत ने मैत्री पाइपलाइन के जरिए हाई-स्पीड डीजल की आपूर्ति बढ़ा दी है। मार्च 2026 में भारत ने 15,000 टन डीजल भेजा और अगले महीने 40,000 टन अतिरिक्त आपूर्ति की योजना है। बिजली आपूर्ति को भी बिना किसी बाधा के जारी रखा गया है ताकि वहां की अर्थव्यवस्था पूरी तरह न ढह जाए।

श्रीलंका में भी स्थिति गंभीर है, जहां राष्ट्रपति दिसानायके के अनुरोध पर भारत ने 28 मार्च 2026 को 38,000 मीट्रिक टन ईंधन की खेप कोलंबो भेजी। श्रीलंका ने इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्री जयशंकर का सार्वजनिक रूप से आभार व्यक्त किया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भारत अपनी घरेलू जरूरतों को संतुलित करते हुए पड़ोसियों को एनर्जी सिक्योरिटी प्रदान कर रहा है। ईरान युद्ध ने यह साबित कर दिया है कि वैश्विक अस्थिरता के समय जहां अन्य देश व्यावसायिक हित देखते हैं, वहीं भारत वसुधैव कुटुंबकम के सिद्धांत पर चलते हुए एक निस्वार्थ रक्षक की भूमिका निभा रहा है।

पेट्रोलियम पदार्थों को लेकर राहुल गांधी जनता में फैला रहे भ्रम : गिरिराज सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों को लेकर राहुल गांधी पर जनता में भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतों को नियंत्रित रखने का प्रयास किया है, जबकि वैश्विक स्तर पर इनकी कीमतों में 20-30 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है। केंद्रीय मंत्री सिंह के अनुसार, केंद्र ने उत्पाद शुल्क को घटाकर आम जनता को राहत देने की कोशिश की है, जबकि राहुल गांधी इस मुद्दे पर लोगों को गुमराह कर रहे हैं और उनका ध्यान भटकाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने हिमाचल प्रदेश का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां राहुल गांधी के नेतृत्व वाली सरकार ने पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाए हैं, जबकि केंद्र सरकार आम जनता के हित में लगातार काम कर रही है। गिरिराज सिंह ने यह भी कहा कि दुनिया के कई देशों, यहां तक कि अमेरिका ने भी पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें बढ़ाई हैं, लेकिन भारत में सरकार ने संतुलन बनाए रखने की कोशिश की है। इसके अलावा, गिरिराज सिंह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि 15 वर्षों के शासन के बावजूद ममता बनर्जी रोजगार, गरीबी उन्मूलन और आवास जैसे मुद्दों पर स्पष्ट जवाब नहीं दे पा रही हैं। उन्होंने टीएमसी सरकार पर शिक्षकों की भर्ती में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि इस मुद्दे पर भी मुख्यमंत्री चुप हैं। गिरिराज सिंह ने यह भी सवाल उठाया कि क्या राज्य सरकार सातवां वेतन आयोग लागू करेगी और महिलाओं को आर्थिक सहायता देने की योजनाओं पर क्या रुख है। उनके अनुसार, ममता बनर्जी विकास और बेरोजगारी जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा करने से बचती रही हैं।

सैम पित्रोदा का आरोप... भारत ने इस संकट में 'नैतिक श्रेष्ठता' नहीं दिखाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ओवरसीज कांग्रेस प्रमुख सैम पित्रोदा ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव पर भारत की भूमिका को लेकर आलोचना की है। उनका कहना है कि भारत ने इस महत्वपूर्ण संकट में 'नैतिक श्रेष्ठता' नहीं दिखाई और वह 'अमीर व ताकतवर हमलावरों' के साथ खड़ा दिखाई दिया। उनके अनुसार, भारत को अपने पारंपरिक मूल्यों सत्य, लोकतंत्र, विविधता और मानव सम्मान पर आधारित संतुलित रुख अपनाना चाहिए था। पाकिस्तान द्वारा खुद को मध्यस्थ के रूप में पेश करने के दावे पर कांग्रेस नेता पित्रोदा ने कहा कि किसी भी देश को शांति स्थापित करने का प्रयास करने का अधिकार है। उनका मानना है कि जितने अधिक पक्ष शांति प्रयासों में शामिल होंगे, उतना बेहतर होगा, क्योंकि ऐसे जटिल विवादों में यह निश्चित नहीं होता कि कौन-सा प्रयास सफल होगा। जब पित्रोदा से पूछा गया कि जवाहर लाल नेहरु और राहुल गांधी के दृष्टिकोण के बारे में, तब उन्होंने कहा कि राहुल गांधी 'भारत के मूल विचार' के प्रतिनिधि हैं। यह विचार देश के संस्थापकों द्वारा स्थापित मूल्यों—सच्चाई, भरोसा, लोकतंत्र और सभी के प्रति सम्मान—पर आधारित है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह रुख किसी विशेष देश जैसे अमेरिका, पाकिस्तान, इजरायल या ईरान के खिलाफ नहीं, बल्कि सार्वभौमिक मूल्यों के पक्ष में है। नक्सलवाद के मुद्दे पर पित्रोदा ने कहा कि वह संवाद में विश्वास रखते हैं, न कि बल प्रयोग में। उनका मानना है कि इस समस्या की जड़ों को समझना जरूरी है—लोगों ने हथियार क्यों उठाए, यह जानना महत्वपूर्ण है। हालांकि उन्होंने हिंसा का समर्थन नहीं किया, लेकिन कहा कि समाधान के लिए सभी पक्षों के दृष्टिकोण को समझना और सहानुभूति रखना आवश्यक है।

पंजाब में 3-4 अप्रैल को तेज हवाओं, बारिश और ओलावृष्टि की चेतावनी जारी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के मौसम में एक बार फिर बड़ा बदलाव देखने को मिलने वाला है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के चंडीगढ़ केंद्र ने राज्य के कई जिलों के लिए मौसम को लेकर चेतावनी जारी की है। विभाग के मुताबिक 3 और 4 अप्रैल को प्रदेश में तेज हवाओं, बारिश और ओलावृष्टि की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक 2 अप्रैल को पूरे पंजाब में मौसम साफ रहेगा। हालांकि 3 अप्रैल से मौसम करवट लेगा और कई इलाकों में मौसम खराब को मिलेगा। इस दौरान 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने 3 और 4 अप्रैल के लिए राज्य के अलग-अलग जिलों में ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। 3 अप्रैल को पठानकोट, गुरदासपुर, अमृतसर, कपूरथला, फिरोजपुर, जालंधर और तरनतारन में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं होशियारपुर, नवांशहर, रूपनगर, मोहाली, फतेहगढ़ साहिब, लुधियाना, मोगा, फाजिल्का, मुक्तसर, मानसा, संगरूर, बरनाला, पटियाला और बठिंडा में येलो अलर्ट रहेगा। इसी तरह 4 अप्रैल को फिरोजपुर, मोगा, फरीदकोट, मुक्तसर, फाजिल्का, बठिंडा, मानसा और बरनाला में ऑरेंज अलर्ट रहेगा, जबकि बाकी जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक 5 अप्रैल से मौसम फिर साफ हो जाएगा। विभाग ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान सतर्क रहें और आवश्यक सावधानियां बरतें।

37 किलो सोने के मामले में फंस गए भाजपा विधायक, सत्येंद्र जैन ने की थी शिकायत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने भारतीय जनता पार्टी के विधायक करनैल सिंह के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त आधार पाते हुए उनकी मुश्किलें बढ़ा दी हैं। यह पूरा मामला आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की शिकायत पर आधारित है। शिकायत के अनुसार, करनैल सिंह ने सार्वजनिक रूप से दावा किया था कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सत्येंद्र जैन के आवास से 37 किलो सोना बरामद किया है। इसके अलावा, उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि जैन के पास भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग के जरिए अर्जित की गई 1100 एकड़ जमीन है। अदालत ने रिकॉर्ड पर लाए गए दस्तावेजों और सबूतों का बारीकी से अध्ययन करने के बाद पाया कि भाजपा विधायक द्वारा साझा की गई इन जानकारियों का ईडी की किसी भी आधिकारिक प्रेस रिलीज या दस्तावेज में कोई समर्थन नहीं मिलता है।

पंजाब भाजपा के मुख्यालय के बाद अब पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट को बम से उड़ने की धमकी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। चंडीगढ़ में पंजाब भाजपा के मुख्यालय के बाहर हुए ब्लास्ट के एक दिन बाद पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट को बम से उड़ने की धमकी मिली है। चंडीगढ़ पुलिस हेडक्वार्टर को आए ईमेल में धमकी दी गई है। ईमेल मिलने के बाद से पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। सूचना मिलते ही पुलिस, बम निरोधक दस्ता और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को तुरंत मौके पर भेजा। हाई कोर्ट परिसर और आसपास के इलाकों में संघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। इस बीच, चंडीगढ़ में आयोजित प्रेसवार्ता में बीजेपी के कार्यकारी प्रधान अश्वनी शर्मा ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यालय की सुरक्षा की जिम्मेदारी पंजाब पुलिस के पास थी। बीजेपी नेता शर्मा ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी सरकार परोक्ष रूप से इसतरह के तत्वों के एजेंडे को आगे बढ़ा रही है, जिन्हें बाहर से फंडिंग मिल रही है। अब हमलावर घटनाओं के वीडियो बनाकर फैलाने लगे हैं, जो स्थिति की गंभीरता को दिखाता है। कुछ ताकतें पंजाब के सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करना चाहती हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान से सवाल कर पूछा कि सरकार किन लोगों के प्रभाव में काम कर रही है। कानून व्यवस्था पर पहले ही बुरी तरह से घिर चुकी पंजाब सरकार के सामने अब बीजेपी मुख्यालय के बाहर हुए ब्लास्ट से मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। इस ब्लास्ट के बाद मान ने कहा कि जब वह चंडीगढ़ को पंजाब की राजधानी बताते हैं, तब उन्हें गद्दार कहा जाता है। उन्होंने कहा कि बीजेपी को अपनी जिम्मेदारी खुद लेनी चाहिए और इस तरह की बेबुनियाद बातें नहीं करनी चाहिए।

गुजरात में आप की बढ़ती लोकप्रियता से भाजपा में घबराहट : केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को पत्र लिखकर उनसे मिलने का अनुरोध किया है। पत्र में केजरीवाल ने आरोप लगाया है कि गुजरात में पंचायत और नगर पालिका चुनावों से पहले पार्टी के कार्यकर्ताओं को बड़े पैमाने पर गिरफ्तार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बीते कुछ महीनों में 160 से अधिक कार्यकर्ता गिरफ्तार किए गए हैं और 10,000 से ज्यादा को गिरफ्तार करने की योजना है।

केजरीवाल ने पत्र में कहा कि आप की बढ़ती लोकप्रियता से भाजपा सरकार बौखलाई हुई है और इस कारण कार्यकर्ताओं के खिलाफ षड्यंत्र रचा जा रहा है। उन्होंने भाजपा पर स्थानीय निकाय चुनावों को जीतने के लिए पुलिस का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। पत्र में यह भी लिखा है कि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ईशुदान गढ़वी को हाल ही में गिरफ्तार किया गया और देर रात छोड़ा गया, जबकि वह अपने कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की जानकारी लेने थाने गए थे।

केजरीवाल ने बताया कि गिरफ्तारी का एक पैटर्न साफ दिखाई दे रहा है। सड़क पर स्कूटर या मोटरसाइकिल से आए कुछ लोग कार्यकर्ताओं को रोकते हैं, मारपीट और गाली-गलौज करते हैं, इसके बाद क्राइम ब्रांच तुरंत मौके पर पहुंचकर उन्हें गिरफ्तार कर लेती है। इससे प्रतीत होता है कि पुलिस इन गुंडों के फोन का ही इंतजार कर रही है। पत्र में उन्होंने कहा कि पिछले 30 सालों से भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार, अत्याचार और दमन से जनता परेशान है। आप पहली बार लोगों को एक मजबूत विकल्प प्रदान कर रही है। पार्टी ईमानदार, निडर और देशभक्त है और भाजपा से कोई समझौता नहीं करेगी। इसी कारण पार्टी की लोकप्रियता गुजरात में तेजी से बढ़ रही है। केजरीवाल ने उम्मीद जाहिर कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल जल्द ही उनसे और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान से मिलने का समय देने वाले हैं। ताकि इन मुद्दों पर चर्चा की जा सके।

अमित शाह की ममता बनर्जी को सीधी चुनौती कहा- 15 दिन यहीं रहकर संभालूंगा चुनावी कमान

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के शंखनाद के साथ ही राज्य में सियासी पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। भारतीय जनता पार्टी के चाणक्य कहे जाने वाले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को ममता बनर्जी के गढ़ में हुंकार भरते हुए एक बड़ा ऐलान किया। नंदीग्राम में शुभेंदु अधिकारी के समर्थन में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने घोषणा की कि वे आगामी 15 दिनों तक लगातार पश्चिम बंगाल में ही डेरा डालेंगे और खुद चुनावी कमान संभालेंगे।

शाह ने ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, पिछली बार दीदी नंदीग्राम में हार गई थीं और इस बार वह भवानीपुर के साथ-साथ पूरे बंगाल की सत्ता खो देंगी। उन्होंने दावा किया कि राज्य में सत्ता परिवर्तन की लहर चल रही है और जनता अब ममता बनर्जी को बाय-बाय कहने का मन बना चुकी है। शाह ने शुभेंदु अधिकारी के नामांकन को टीएमसी के पतन की शुरुआत बताया और कहा कि नंदीग्राम की जनता एक बार फिर इतिहास दोहराकर भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी वाली सरकार को उखाड़ फेंकेगी। गृह मंत्री ने राज्य की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस ने घुसपैठियों को संरक्षण दिया है, जिससे बंगाल की जनसांख्यिकी बदल रही है। उन्होंने बेरोजगारी और आए दिन होने वाले बम धमाकों का जिक्र करते हुए कहा कि युवा अब बदलाव चाहते हैं। शाह ने वादा किया कि यदि भाजपा सत्ता में आती है, तो घुसपैठ पर लगाम कसी जाएगी और बंगाल को फिर से विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा।

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में 294 सीटों के लिए दो चरणों (23 अप्रैल और 29 अप्रैल 2026) में मतदान होना है। ऐसे में अमित शाह का 15 दिनों तक राज्य में रहकर प्रचार करने का फैसला यह दर्शाता है कि भाजपा इस बार बंगाल फतह के लिए अपनी पूरी ताकत झोंकने को तैयार है। चुनावी मैदान में सीधी टक्कर टीएमसी और भाजपा के बीच देखी जा रही है, जिससे आने वाले दिन बंगाल की राजनीति के लिए काफी निर्णायक होने वाले हैं।

असम में औवेसी... दमनकारी ताकतों से निपटने के लिए मुस्लिम समुदाय को मजबूत होना होगा

गुवाहाटी (एजेंसी)। अमस के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की कथित मनमानी पर निशाना साधकर ओवैसी ने कहा कि हालात बेहद खराब हैं। इस स्थिति में दमनकारी ताकतों से निपटने के लिए एआईएमआईएम के माध्यम से मुस्लिम समुदाय के नेतृत्व को मजबूत करना होगा। लोकतंत्र में सिर्फ नारे लगाने से काम नहीं चलता। हमें मतदान के माध्यम से सुनिश्चित करना होगा कि सरमा को उनकी प्रतिगामी राजनीति का स्पष्ट संदेश मिले। ओवैसी ने कहा कि इसके लिए हमें एकजुट रहना होगा। चुनाव के दिन मतदान करके आपको जवाब देना होगा। लोकतंत्र में आपका वोट एक शक्तिशाली हथियार है। उन्होंने आगामी चुनावों में भाजपा की कथित बढ़त के दावों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि हम इस पर विश्वास नहीं करते। हम यहां यह सुनिश्चित करने आए हैं कि एआईयूडीएफ के अधिक से अधिक उम्मीदवार विधायक बनें। हमारा प्रयास राज्य की राजनीतिक व्यवस्था को मजबूत करना है। ओवैसी आगामी विधानसभा चुनावों के लिए अखिल भारतीय संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (एआईयूडीएफ) के प्रचार अभियान से पहले बुधवार को असम पहुंचे। हवाई अड्डे पर एआईयूडीएफ समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया, पार्टी कार्यकर्ताओं ने नारे लगाए और उन्हें पारंपरिक असमिया गमोसा भेंट किया। रैली के दौरान, ओवैसी ने मुस्लिम समुदाय से यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि एआईयूडीएफ के अधिक से अधिक उम्मीदवार विधायक बनकर विधानसभा तक पहुंचें। उन्होंने लोगों से समुदाय के हितों की रक्षा के लिए मतदान करने का भी आग्रह किया।

दुर्घटना में मृत कांस्टेबल टीपू सुल्तान की पत्नी को सौंपा गया एक करोड़ का चेक

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बहजोई शाखा द्वारा गुरुवार को एक और सराहनीय पहल के तहत दुर्घटना में मृत कांस्टेबल टीपू सुल्तान की पत्नी सहाना बेगम को एक करोड़ रुपये का चेक प्रदान किया गया। यह सहायता राशि बैंक की पुलिस सैलरी पैकेज योजना के अंतर्गत दी गई।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय प्रबंधक आरबीओ-5 रामपुर प्रभात कुमार के नेतृत्व में शाखा प्रबंधक विवेक कुमार की उपस्थिति रही। इस अवसर पर जिलाधिकारी सम्भल डॉ. राजेंद्र पैंसिया भी उपस्थित रहे।

ज्ञात रहे कि स्वर्गीय टीपू सुल्तान उत्तर प्रदेश पुलिस में कांस्टेबल के पद पर इस्लामनगर थाना, बदायूं में तैनात थे। उनका 5 अगस्त 2025 को एक सड़क दुर्घटना में आकस्मिक निधन हो गया था। उनका वेतन खाता स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बहजोई शाखा में संचालित था। बैंक के दिशा-निर्देशों एवं उत्तर प्रदेश पुलिस के साथ हुए समझौते के तहत पुलिस सैलरी पैकेज में यह प्रावधान है कि किसी कर्मचारी की मृत्यु होने पर उसके नामित आश्रित को 1 करोड़ की अनुग्रह राशि प्रदान की जाती है। इस मौके पर बैंक अधिकारियों ने कहा कि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया अपने ग्राहकों से किए गए वादों को निभाने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है और कठिन समय में उनके परिवार के साथ खड़ा रहता है। यह सहायता राशि पीड़ित परिवार को आर्थिक संबल प्रदान करेगी।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की योजनाएं जरूरतमंद परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित होती हैं।

आंध्र चुनाव पर बड़ा विवाद! 6 सेकंड में एक वोट और आधी रात के बाद 17 लाख

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव 2024 को लेकर हाल ही में उठे विवाद ने सियासी और सार्वजनिक ध्यान खींचा है। दिल्ली में आयोजित प्रेसवार्ता में अर्थशास्त्री परकला प्रभाकर, वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण और पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस.वाई.कुरैशी ने चुनाव आयोग के आंकड़ों में असामान्य पैटर्न की ओर इशारा किया। प्रभाकर का दावा है कि 3,500 बूथों पर रात 2 बजे तक वोटिंग चलती रही और कुल वोटों का लगभग 4.16 प्रतिशत रात 11.45 बजे से 2 बजे के बीच डाला गया। उन्होंने बताया कि आधी रात के बाद हर 20 सेकंड में एक वोट दर्ज हुआ, जबकि ईवीएम को रीसेट होने में 14 सेकंड लगते हैं।

चुनाव में चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी-नेतृत्व वाली एनडीए ने निर्णायक जीत हासिल की, जिसमें 175 सीटों में से 164 जीत दर्ज की गई। टीडीपी को 135 सीटें मिलीं, बीजेपी को आठ और पवन कल्याण की जन सेना को 21 सीटें मिलीं। मतदान प्रतिशत को लेकर भी विवाद है। 13 मई को शाम 5 बजे तक वोटिंग समाप्त होने के बाद मुख्य चुनाव अधिकारी ने 68.04 प्रतिशत टर्नआउट बताया, जो रात 8 बजे 68.12 प्रतिशत और रात 11.45 बजे 76.50 प्रतिशत कर दिया गया। अंतिम आंकड़ा चार दिन बाद 81.79 प्रतिशत जारी किया गया।

भूषण ने फॉर्म 17सी के पारदर्शिता की कमी पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बूथ पर डाले गए वोटों का डेटा मशीन-पठनीय रूप में उपलब्ध नहीं कराया गया, जिससे स्वतंत्र जाँच मुश्किल हो गई। उन्होंने वीवीपेट पर्चियों की अनिवार्य गिनती और रियल-टाइम बूथ-स्तरीय डेटा की मांग की। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस.वाई. कुरैशी ने फॉर्म 17सी और फॉर्म 20 का ऑडिट कराने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने पूछा कि यदि बूथ स्तर पर फॉर्म 17सी पर हस्ताक्षर और मुहर लगी है, तब अंतिम डेटा में विसंगतियां क्यों दिखाई देती हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि मतदान प्रतिशत उसी दिन सार्वजनिक किया जाए और बूथ-स्तरीय सारांश तुरंत जारी किया जाए। विशेषज्ञों का कहना है कि पारदर्शिता की कमी लोकतंत्र के लिए खतरा है। डेटा में असामान्य पैटर्न और आधी रात के बाद अचानक वोटिंग की तेज़ी जैसी घटनाएं गंभीर जांच की मांग करती हैं। चुनाव आयोग को इन मुद्दों पर स्पष्टता और ऑडिट के माध्यम से भरोसा बहाल करना आवश्यक है, ताकि मतदाता और लोकतंत्र दोनों सुरक्षित रहें।

भारत की अनूठी पहल: समुद्र से बिजली और मीठा पानी बनाने लक्षद्वीप में बन रहा दुनिया का पहला ओटेक डिसेलिनेशन प्लांट

समुद्री तापमान से ऊर्जा उत्पादन के साथ ही पेयजल संकट का होगा समाधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैश्विक जल संकट के बीच भारत एक अनोखी तकनीकी पहल के साथ समाधान की दिशा में बड़ा कदम बढ़ा रहा है। लक्षद्वीप के कवरत्ती द्वीप पर दुनिया का पहला ओटेक आधारित हाइब्रिड डिसेलिनेशन प्लांट तैयार किया जा रहा है, जो समुद्र की लहरों और तापमान के अंतर से एक साथ बिजली और मीठा पानी बनाएगा।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया की करीब आधी आबादी साल में कम से कम एक महीने गंभीर जल संकट का सामना करती है और हर चौथा व्यक्ति शुद्ध पेयजल से वंचित है। ऐसे में समुद्री पानी को पीने योग्य बनाने की तकनीक पर कई देश काम कर रहे हैं, लेकिन भारत का यह प्रयोग उन्हें एक कदम आगे ले जाता है।

यह परियोजना नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशन टेक्नोलॉजी (एनआईओटी) द्वारा विकसित की जा रही है, जो पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अंतर्गत काम करता है। यह प्लांट ओटेक (ओसियन थर्मल एनर्जी कन्वर्सन) तकनीक पर आधारित है, जिसमें समुद्र की सतह के गर्म पानी और गहराई में मौजूद ठंडे पानी के तापमान के अंतर का उपयोग कर ऊर्जा पैदा की जाती है। इस प्रक्रिया के दौरान ही समुद्री पानी को शुद्ध कर पेयजल में बदला जाएगा। इसके लिए करीब 3.8 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई जा रही है, जो समुद्र की गहराई (लगभग 1000 मीटर) से ठंडा पानी सतह तक लाएगी।

विशेषज्ञों के मुताबिक, यह दुनिया का पहला ऐसा प्लांट होगा जो 24 घंटे लगातार बिजली उत्पादन और जल शुद्धिकरण दोनों कार्य एक साथ करेगा। इससे पहले लक्षद्वीप के आठ द्वीपों पर एलटीटीडी (लो टेम्परेचर थर्मल डिसलिनेशन) तकनीक के प्लांट काम कर रहे हैं, लेकिन ओटेक आधारित यह हाइब्रिड मॉडल एक बड़ा तकनीकी उन्नयन माना जा रहा है।

लक्षद्वीप जैसे द्वीपों में भूजल स्तर कम होने और खारे पानी की समस्या के कारण पेयजल संकट लंबे समय से बना हुआ है। ऐसे में यह परियोजना स्थानीय लोगों के लिए विश्वसनीय जल स्रोत के साथ-साथ ऊर्जा आपूर्ति का भी स्थायी समाधान बन सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह परियोजना सफल होती है, तो यह न सिर्फ भारत बल्कि दुनिया के अन्य तटीय और द्वीपीय क्षेत्रों के लिए भी एक मिसाल साबित हो सकती है।

नक्सलवाद के अंत की ओर बढ़ता भारत सुरक्षा विकास और विश्वास की नई विजयगाथा

कांतिलाल मांडोत

गृह मंत्रालय के नेतृत्व में बीते वर्षों में जो रणनीति अपनाई गई वह बहुआयामी रही। केवल सुरक्षा बलों की तैनाती तक सीमित न रहकर सरकार ने विकास और विश्वास दोनों को साथ लेकर चलने का प्रयास किया। यही कारण है कि जिन क्षेत्रों में कभी बंदूक की आवाज गूंजती थी वहां आज स्कूल खुल रहे हैं सड़कें बन रही हैं और जीवन सामान्य हो रहा है। यह बदलाव अचानक नहीं आया बल्कि इसके पीछे वर्षों की योजनाबद्ध मेहनत और स्पष्ट नीति रही है।

भारत ने लंबे समय तक जिस आंतरिक चुनौती का सामना किया वह नक्सलवाद के रूप में देश के अनेक हिस्सों में फैली रही। यह समस्या केवल कानून व्यवस्था तक सीमित नहीं थी बल्कि इसने सामाजिक आर्थिक और मानवीय जीवन को भी गहराई से प्रभावित किया। दशकों तक आदिवासी क्षेत्रों में भय असुरक्षा और पिछड़ापन बना रहा। गांवों में विकास की रफ्तार थम गई और लोगों का भरोसा व्यवस्था से डगमगाने लगा। आज जब देश नक्सलवाद के अंत की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ा चुका है तब यह आवश्यक हो जाता है कि इस परिवर्तन के पीछे की नीति संकल्प और प्रयासों को समझा जाए।

गृह मंत्रालय के नेतृत्व में बीते वर्षों में जो रणनीति अपनाई गई वह बहुआयामी रही। केवल सुरक्षा बलों की तैनाती तक सीमित न रहकर सरकार ने विकास और विश्वास दोनों को साथ लेकर चलने का प्रयास किया। यही कारण है कि जिन क्षेत्रों में कभी बंदूक की आवाज गूंजती थी वहां आज स्कूल खुल रहे हैं सड़कें बन रही हैं और जीवन सामान्य हो रहा है। यह बदलाव अचानक नहीं आया बल्कि इसके पीछे वर्षों की योजनाबद्ध मेहनत और स्पष्ट नीति रही है।

नक्सलवाद की जड़ें अक्सर गरीबी और पिछड़ेपन से जोड़कर देखी जाती रही हैं। लेकिन वास्तविकता इससे अधिक जटिल रही है। कई ऐसे क्षेत्र भी थे जहां आर्थिक स्थिति कमजोर थी फिर भी वहां नक्सलवाद नहीं पनपा। इसका अर्थ यह है कि नक्सलवाद केवल आर्थिक समस्या नहीं बल्कि एक वैचारिक और रणनीतिक चुनौती भी था। वामपंथी उग्रवाद ने आदिवासी समाज को अपने प्रभाव में लेकर उन्हें मुख्यधारा से दूर करने का प्रयास किया। स्कूलों को जलाना विकास कार्यों को रोकना और भय का वातावरण बनाना इस रणनीति का हिस्सा रहा।

गृह मंत्रालय ने इस सच्चाई को समझते हुए अपनी नीति तैयार की। सुरक्षा बलों को आधुनिक संसाधनों से लैस किया गया। खुफिया तंत्र को मजबूत बनाया गया और स्थानीय पुलिस को सशक्त किया गया। इसके साथ ही आत्मसमर्पण की नीति को प्रभावी ढंग से लागू किया गया जिससे बड़ी संख्या में नक्सली मुख्यधारा में लौटे। यह केवल सैन्य सफलता नहीं बल्कि सामाजिक पुनर्वास का भी उदाहरण है।

बस्तर जैसे क्षेत्रों में जो परिवर्तन देखने को मिला वह इस नीति की सफलता का प्रमाण है। जहां कभी प्रशासन की पहुंच सीमित थी वहां आज सरकारी योजनाएं प्रभावी ढंग से लागू हो रही हैं। राशन की दुकानों से लेकर स्वास्थ्य केंद्र तक लोगों को सुविधाएं मिल रही हैं। आधार और राशन कार्ड के माध्यम से लाभ सीधे लोगों तक पहुंच रहा है। इससे लोगों का विश्वास बढ़ा है और वे हिंसा से दूर होकर विकास की राह पर चलने लगे हैं।

इसके विपरीत यदि पिछले दशकों की स्थिति पर नजर डालें तो स्पष्ट होता है कि लंबे समय तक इस समस्या को गंभीरता से नहीं लिया गया। पूर्ववर्ती सरकारों के दौरान नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव बना रहा। सड़कें नहीं बनीं स्कूल नहीं खुले और स्वास्थ्य सेवाएं नहीं पहुंचीं। इस शून्य का लाभ उठाकर उग्रवादी संगठनों ने अपनी पकड़ मजबूत की। लोगों को यह विश्वास दिलाया गया कि व्यवस्था उनके खिलाफ है और हथियार उठाना ही एकमात्र रास्ता है।

यह भी देखा गया कि उस समय नक्सलवाद के खिलाफ स्पष्ट और कठोर नीति का अभाव था। कई बार राजनीतिक इच्छाशक्ति कमजोर दिखाई दी और समस्या को टालने का प्रयास किया गया। इससे नक्सलवाद का विस्तार हुआ और वह कई राज्यों तक फैल गया। देश के एक बड़े भूभाग में इसका प्रभाव देखा गया जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को भी खतरा उत्पन्न हुआ।

वर्तमान समय में स्थिति बदल चुकी है। गृह मंत्रालय ने स्पष्ट संदेश दिया है कि हिंसा का रास्ता अपनाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया कि जो लोग भटक गए हैं उन्हें वापस लाने का अवसर मिले। इस संतुलित दृष्टिकोण ने सकारात्मक परिणाम दिए हैं। बड़ी संख्या में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है और हिंसा की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अब आदिवासी समाज स्वयं इस बदलाव का भागीदार बन रहा है। वे समझ चुके हैं कि विकास और शांति ही उनके भविष्य का आधार है। सरकार द्वारा चलाए जा रहे शिक्षा स्वास्थ्य और रोजगार के कार्यक्रमों ने उन्हें नई दिशा दी है। युवा पीढ़ी अब हथियार नहीं बल्कि शिक्षा और रोजगार को अपना लक्ष्य बना रही है।

नक्सलवाद के अंत की यह यात्रा केवल सरकार की उपलब्धि नहीं बल्कि पूरे समाज की जीत है। इसमें सुरक्षा बलों का साहस प्रशासन की प्रतिबद्धता और आम नागरिकों का सहयोग सभी शामिल हैं। यह उदाहरण दशार्ता है कि यदि सही नीति और दृढ़ संकल्प के साथ कार्य किया जाए तो सबसे जटिल समस्याओं का समाधान भी संभव है।

आज जब देश इस चुनौती से लगभग मुक्त होने की ओर बढ़ रहा है तब यह आवश्यक है कि इस उपलब्धि को बनाए रखा जाए। विकास की गति को निरंतर बनाए रखना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी क्षेत्र फिर से पिछड़ापन और असुरक्षा का शिकार न बने। यही सच्चे अर्थों में नक्सलवाद के अंत की स्थायी गारंटी होगी।

अंततः यह कहा जा सकता है कि भारत ने एक लंबी और कठिन लड़ाई में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। गृह मंत्रालय के नेतृत्व में अपनाई गई रणनीति ने यह सिद्ध कर दिया है कि सुरक्षा और विकास साथ साथ चल सकते हैं। यह केवल एक समस्या का समाधान नहीं बल्कि नए भारत की दिशा का संकेत है जहां हर नागरिक को समान अवसर और सुरक्षित जीवन का अधिकार प्राप्त है।

संपादकीय

रुपए का गंभीर अवमूल्यन

एक अमरीकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत 95 तक पहुंच चुकी है। अर्थात् हम 95 रुपए खर्च कर एक डॉलर प्राप्त कर सकते हैं अथवा अंतरराष्ट्रीय व्यापार कर सकते हैं। 'रुपए' का लगातार अवमूल्यन होता रहा है। डॉलर ही नहीं, ब्रिटिश मुद्रा 'पौंड' के लिए भी हमें 123.84 रुपए खर्च करने होंगे और यूरोप की मुद्रा 'यूरो' की कीमत भी 108 रुपए से अधिक है। 'रुपया' लगातार कमजोर होता रहा है, उसका असर हमारी अर्थव्यवस्था पर भी पड़ा है और आयात-बिल भी महंगे होते रहे हैं। 2013-14 के संसदीय चुनाव के दौरान भाजपा ने 'रुपए' को भारत की संप्रभुता और प्रतिष्ठा से जोड़ कर एक संवेदनशील मुद्दा बना दिया था। लोगों ने विश्वास किया और जनादेश भाजपा को दिया। मोदी सरकार के करीब 12 साल के कालखंड में 'रुपए' में करीब 61 फीसदी की गिरावट दर्ज हो चुकी है और यह सिलसिला अभी जारी है। यह बेहद गंभीर मौद्रिक स्थिति है, बेशक भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इस मुद्दे को आसानी से यूं समझा जा सकता है कि फरवरी, 2026 में ईरान युद्ध से पहले कच्चे तेल की कीमत 69 डॉलर प्रति बैरल थी। तब हमें एक बैरल कच्चा तेल 6700 रुपए से कुछ अधिक में पड़ता था, लेकिन मार्च में वही तेल 10, 640 रुपए बैरल में खरीदा जा रहा है। यानी कीमत 70 फीसदी बढ़ी है, लिहाजा आम आदमी को भी महंगा पेट्रोल-डीजल खरीदना पड़ेगा। बेशक कुछ विधानसभा चुनावों के मद्देनजर सरकार ने पेट्रोल-डीजल महंगे नहीं किए हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम 117 डॉलर प्रति बैरल तक उछल चुके हैं। भाजपा तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को लगातार निशाना बनाती थी, जबकि उन्होंने ही देश को आर्थिक मंदी से बचाया था। तब भाजपा अर्थव्यवस्था की कमजोरी और 'रुपए' के अवमूल्यन पर चिंताएं जताती थी। मौजूदा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण उस दौर में भाजपा की राष्ट्रीय प्रवक्ता थीं। 'रुपए' की स्थिति को लेकर यूपीए और भाजपा-एनडीए सरकारों की तुलना करना बेहद तार्किक है। तब मई, 2004 में मनमोहन सरकार के शुरूआती दिनों में एक डॉलर की तुलना में 'रुपया' 45.37 पर था। मई, 2014 में यूपीए कालखंड की समाप्ति के वक्त डॉलर की कीमत 58.58 रुपए थी। केंद्र में नरेन्द्र मोदी की सरकार आई, तो 'रुपए' का अवमूल्यन लगातार क्यों होता रहा है? डॉलर 58 रुपए से उछल कर 90-91 रुपए तक कैसे पहुंच गया? आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि यदि रिजर्व बैंक दखल न दे, तो एक डॉलर 110 रुपए में पड़ सकता है। ईरान युद्ध की शुरूआत के एक दिन पहले, 27 फरवरी, तक 'रुपया' 90.98 तक गिरा था, लेकिन 31 मार्च, 2026 को 95 तक गिर गया। 100 रुपए की 'चरम स्थिति' कितनी दूर है? बेशक मोदी कालखंड में 'रुपए'' का अवमूल्यन ऐतिहासिक रहा है और भारतीय मुद्रा के लिए यह असंतुलित और गंभीर स्थिति है।

चिंतन-मनन

श्रद्धा के मुताबिक पूजा

हरेक व्यक्ति में चाहे वह जैसा भी हो, एक विशेष प्रकार की श्रद्धा पाई जाती है। लेकिन उसके द्वारा अर्जित स्वभाव के अनुसार उनकी श्रद्धा उत्तम (सतोगुणी), राजस (रजोगुणी) अथवा तामसी कहलाती है। अपनी श्रद्धा के अनुसार ही वह कतिपय लोगों से संगति करता है। अब वास्तविक तथ्य तो यह है कि जैसा कि गीता के 15 वें अध्याय में कहा गया है कि प्रत्येक जीव परमेर का अंश है। अतएव वह मूलतः इन समस्त गुणों से परे होता है।

लेकिन जब वह भगवान के साथ अपने सम्बन्ध को भूल जाता है और बद्ध जीवन में भौतिक प्रकृति के संसर्ग में आता है तो वह विभिन्न प्रकार की प्रकृति के साथ संगति करके अपना स्थान बनाता है। इस प्रकार से प्राप्त कृत्रिम श्रद्धा तथा अस्तित्व मात्र भौतिक होते हैं। भले ही कोई किसी धारणा या देहात्मबोध द्वारा प्रेरित हो लेकिन मूलतः वह निगरुण या दिव्य होता है। अतएव भगवान के साथ अपना सम्बन्ध फिर से प्राप्त करने के लिए उसे भौतिक कल्मष से शुद्ध होना पड़ता है। यही एकमात्र मार्ग है, निर्भय होकर कृष्णभावनामृत में लौटने का।

श्रद्धा मूलतः सतोगुण से उत्पन्न होती है। मनुष्य की श्रद्धा किसी देवता, किसी कृत्रिम ईश्वर या मनोधर्म में हो सकती है लेकिन प्रबल श्रद्धा सात्विक कार्यों से उत्पन्न होती है। किंतु भौतिक बद्धजीवन में कोई भी कार्य शुद्ध नहीं होता। वे मिश्रित होते हैं। वे शुद्ध सात्त्विक नहीं होते। शुद्ध सत्त्व दिव्य होता है। इसमें रहकर मनुष्य भगवान के स्वभाव को समझ सकता है। जब तक श्रद्धा पूर्णतया सात्त्विक नहीं होती, वह प्रकृति के किसी भी गुण से दूषित हो सकती है। ये दूषित गुण हृदय तक फैल जाते हैं।

अतः किसी विशेष गुण के सम्पर्क में रहकर हृदय जिस स्थिति में होता है, उसी के अनुसार श्रद्धा होती है। यदि किसी का हृदय सतोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा भी सतोगुणी है। यदि हृदय रजोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा रजोगुणी और तमोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा तमोगुणी होती है। पूजा इसीके आधार पर होती है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

सृजन साहित्य संवाद द्वारा आयोजित जाति और ट्रॉमा पर दो दिवसीय ऑनलाइन परिचर्चा सम्पन्न

नई दिल्ली (सब का सपना):- दलित साहित्य और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में सक्रिय सृजन साहित्य संवाद ने ह्यजाति और ट्रॉमाह्व विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन परिचर्चा का सफल आयोजन किया। इस कार्यक्रम की आयोजक अनिता भारती दलित स्त्रीवादी साहित्यकार, कवयित्री और सामाजिक कार्यकर्ता रहीं। यह परिचर्चा फेसबुक लाइव पर हुई, जिसमें सैकड़ों श्रोताओं ने सक्रिय भागीदारी की।परिचर्चा का मुख्य उद्देश्य जाति व्यवस्था से उत्पन्न ट्रॉमा (आघात) को केवल व्यक्तिगत समस्या के रूप में नहीं, बल्कि संरचनात्मक, सामूहिक और पीढ़ीगत स्तर पर समझना तथा उससे उबरने के रास्ते तलाशना था। चर्चा में साहित्य, मानसिक स्वास्थ्य, कानूनी-समाजशास्त्रीय विश्लेषण, बौद्ध दर्शन और दलित संदर्भ को एक मंच पर लाया गया। उर्मिला पवार प्रसिद्ध दलित स्त्रीवादी लेखिका, आत्मकथा आयदान की लेखिका ने दलित स्त्रियों में पीढ़ीगत आघात के प्रसारण पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैसे अस्पृश्यता, अपमान, शारीरिक हिंसा और चुप्पी शरीर, भावनाओं और इशारों के माध्यम से गैर-मौखिक रूप से अगली पीढ़ी तक जाती है। उनकी आत्मकथा को आघात की स्मृति राजनीति और दलित स्त्रीवादी दृष्टि का महत्वपूर्ण दस्तावेज बताया गया। पवार जी ने जोर दिया कि दलित स्त्री का आघात त्रिगुण बोझ जाति + लिंग + वर्ग का है, जो लेखन के माध्यम से भाव-विरेचन और प्रतिरोध का रूप लेता है।कल्पना कन्नबीरण (प्रख्यात समाजशास्त्री और कानूनी विदुषी) ने जाति और लिंग की अंतसंबंधित हिंसा को संरचनात्मक हिंसा के रूप में विश्लेषित किया। उन्होंने बताया कि कैसे जाति-लिंग जटिलता सत्ता संबंधों को बनाए रखती है और हिंसा को सामान्य बनाती है। कन्नबीरण जी ने कानूनी प्रावधानों जैसे अनुसूचित

जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की सीमाओं पर भी चर्चा की और कहा कि कानून अकेला पर्याप्त नहीं, सामाजिक-राजनीतिक बदलाव जरूरी है।प्रीथि शनमुगप्रिया ,दलित व्यवसायिक चिकित्सक और मिलिर जाति-विरोधी मानसिक स्वास्थ्य सामूहिक की सह-संस्थापक ने मुख्यधारा की मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं में जातिगत आघात को नजरअंदाज किए जाने की समस्या उठाई। उन्होंने जाति-संवेदनशील, शरीर-आधारित और सांस्कृतिक चिकित्सा के महत्व पर जोर दिया। प्रीथि जी ने बताया कि आघात शरीर में संग्रहित होता है और युवा दलितों में चिंता, अवसाद तथा सीखी हुई असहायता के रूप में प्रकट होता है। मिलिर जैसी सामुदायिक पहल इस आघात को समझने और ठीक करने का नया मॉडल प्रस्तुत करती है। डॉ. दीपा श्रावस्ती चिकित्सक और बौद्ध विदुषी ने अंबेडकरवादी बौद्ध दर्शन के माध्यम से आघात चिकित्सा का रास्ता दिखाया। उन्होंने करुणा, सजगता और कष्ट को समझकर उसे पार करने की प्रक्रिया पर चर्चा की। डॉ. श्रावस्ती ने चिकित्सा विज्ञान और बौद्ध दर्शन के मिश्रण से व्यक्तिगत चिकित्सा को सामूहिक मुक्ति (जाति का अंत) से जोड़ा। तौकीर अली साबरी जो कि विकास कार्यकर्ता और शोधकर्ता व रोजा लक्जमबर्ग फाउंडेशन से जुड़े है उन्होंने श्रम बाजार में भेदभाव और आर्थिक शोषण से उत्पन्न पीढ़ीगत गरीबी पर प्रकाश डाला। उन्होंने दलित एकजुटता को आघात से लड़ने का सबसे मजबूत हथियार बताया। आयोजक अनिता भारती ने विषय प्रवेश में कहा, जातिगत आघात कोई व्यक्तिगत कमजोरी नहीं, बल्कि सदियों की ब्राह्मणिकल व्यवस्था का नतीजा है। दलित स्त्री इस आघात को सबसे गहराई से झेलती है। साहित्य हमारे लिए भाव-विरेचन का माध्यम है, जो दर्द को गुस्से और फिर शक्ति में बदलता है। उन्होंने सभी वक्ताओं और श्रोताओं को धन्यवाद देते हुए बाबासाहेब अंबेडकर के संदेश शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करोह्व को याद किया और जाति के अंत की दिशा में सामूहिक प्रयास की अपील की। कार्यक्रम में श्रोताओं के सवालों का सत्र भी हुआ, जिसमें आघात को पहचानने, परिवार में चर्चा करने और सामुदायिक चिकित्सा स्थान बनाने पर जोर रहा।

कई प्रतिभागियों ने इसे दलित आंदोलन में एक यादगार दस्तावेज बताया। सृजन साहित्य संवाद की यह पहल साहित्य, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय को जोड़ने का सफल प्रयास साबित हुई। कार्यक्रम आयोजक अनिता भारती ने भविष्य में ऐसे कार्यक्रमों को जारी रखने और अधिक व्यापक बनाने की घोषणा की।

बुजुर्गों के भरण-पोषण के लिये एक सराहनीय पहल

ललित गर्ग

भारतीय संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है- 'मातृदेवो भव, पितृदेवो भव' केवल शास्त्रों की पंक्ति नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संरचना की आत्मा रही है। इसलिए यह किसी भी सभ्य समाज के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है कि जन्म देने और पालन-पोषण करने वाले माता-पिता को जीवन की सांझ में उपेक्षा, अपमान और आर्थिक असुरक्षा का सामना करना पड़े, और उन्हें अपने ही बच्चों से गुजारा भत्ता पाने के लिए कानून और प्रशासन का सहारा लेना पड़े। दुर्भाग्य से यह आज के समय की कठोर वास्तविकता बनती जा रही है। बुढ़ापा अपने आप में एक बड़ी चुनौती है। उम्र बढ़ने के साथ शरीर की क्षमताएं कम होने लगती हैं, बीमारियां बढ़ने लगती हैं और आय के स्रोत लगभग समाप्त हो जाते हैं। सेवानिवृत्ति के समय जो थोड़ी बहुत जमा-पूंजी होती है, वह बच्चों की पढ़ाई, शादी-ब्याह और मकान बनाने में खर्च हो जाती है। सरकारी नौकरी करने वालों को पेंशन मिल भी जाती है, लेकिन निजी क्षेत्र या छोटे व्यवसाय से जुड़े लोगों की स्थिति अधिक कठिन हो जाती है। ऐसे समय में यदि बच्चे ही माता-पिता की देखभाल न करें तो यह केवल पारिवारिक विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक अपराध की श्रेणी में आता है। इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए तेलंगाना विधानसभा द्वारा पारित 'तेलंगाना कर्मचारी जवाबदेही और माता-पिता सहायता निगरानी विधेयक 2026' एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पहल के रूप में सामने आया है। इस विधेयक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यदि बच्चे अपने माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो उनके वेतन से एक निश्चित राशि काटकर माता-पिता को दी जाए। यह कानून सरकारी कर्मचारियों के साथ-साथ निजी क्षेत्र के कर्मचारियों, सांसदों, विधायकों और स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों पर भी लागू होगा। इस प्रकार यह कानून केवल एक कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी को कानूनी रूप देने का प्रयास है। हालांकि भारत में पहले से 'माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007' मौजूद है, लेकिन तेलंगाना का यह नया विधेयक अधिक व्यापक, संवेदनात्मक और प्रभावी माना जा रहा है। इसमें प्रावधान है कि यदि बच्चे माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो शिकायत मिलने पर उनके वेतन से पंद्रह प्रतिशत या दस हजार रुपये (जो भी कम हो) काटकर माता-पिता के खाते में जमा किए जाएंगे। शिकायत का निस्तारण जिला कलेक्टर द्वारा साठ दिनों के भीतर किया जाएगा और इसके लिए वरिष्ठ नागरिक आयोग का गठन भी किया जाएगा। इस कानून का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इसमें केवल जैविक माता-पिता ही नहीं, बल्कि सौतेले माता-पिता भी शिकायत कर सकते हैं।

यह कानून इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारतीय परिवार व्यवस्था तेजी से बदल रही है। संयुक्त परिवार टूटकर एकल परिवार में बदल चुके हैं और अब तो एक व्यक्ति परिवार की अवधारणा भी विकसित हो रही है। करियर की दौड़, आर्थिक दबाव, शहरी जीवनशैली, सुविधावाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती भावना ने परिवार की पारंपरिक संरचना को कमजोर किया है। कई बार माता-पिता को घर से निकालकर वृद्धाश्रम भेज दिया जाता है, और यदि घर में रख भी लिया जाए तो उन्हें उपेक्षा, तिरस्कार और मानसिक पीड़ा सहनी पड़ती है। उनकी दवाइयों, भोजन और देखभाल तक में लापरवाही बरती जाती है। ऐसी परिस्थितियों में यह प्रश्न उठता है कि क्या माता-पिता की सेवा केवल संस्कारों से सुनिश्चित की जा सकती है या इसके लिए कानून की भी आवश्यकता है? आदर्श स्थिति में तो संस्कार ही पर्याप्त होने चाहिए। भारतीय इतिहास और परंपरा में माता-पिता की सेवा के अनेक प्रेरक उदाहरण मिलते हैं। श्रवण कुमार का उदाहरण तो भारतीय संस्कृति में आदर्श पुत्र का प्रतीक बन चुका है, जिसने अपने अंधे माता-पिता को कंधे पर बैठाकर तीर्थ यात्रा करवाई। इसी प्रकार भगवान श्रीराम ने पिता के वचन को निभाने के लिए राजपाट छोड़कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल धार्मिक कथाएं नहीं, बल्कि भारतीय समाज की नैतिक संरचना के आदर्श हैं।

इतिहास में छत्रपति शिवाजी, महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद जैसे अनेक व्यक्तित्वों के जीवन में भी माता-पिता के प्रति गहरी श्रद्धा और सम्मान देखने को मिलता है। इससे स्पष्ट होता है कि माता-पिता के प्रति सम्मान और सेवा भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा रही है। लेकिन आज जब संस्कार कमजोर हो रहे हैं, तब समाज को कानून का सहारा लेना पड़ रहा है। लेकिन इस पूरे विषय को केवल एकतरफा दृष्टि से देखना भी उचित नहीं होगा। यह भी एक सच्चाई है कि कई बार माता-पिता भी बच्चों के प्रति अत्यधिक अनुशासन, नियंत्रण और अपेक्षाओं का दबाव बनाते हैं। वे चाहते हैं कि बच्चे हमेशा उनकी इच्छाओं के अनुसार ही जीवन जिएं, अपने निर्णय स्वयं न लें, विवाह, करियर, जीवनशैली हर चीज में माता-पिता की इच्छा सर्वोपरि रहे। कई बार माता-पिता बच्चों की निजी जिंदगी में अत्यधिक हस्तक्षेप करते हैं, जिससे परिवार में तनाव उत्पन्न होता है। ऐसी परिस्थितियों में बच्चों और माता-पिता के बीच दूरी बढ़ जाती है और पारिवारिक वातावरण तनावपूर्ण हो जाता है।

इसलिए समस्या का समाधान केवल कानून नहीं है, बल्कि परिवार के भीतर संतुलन, संवाद और समझ भी उतनी ही आवश्यक है। बच्चों को यह समझना चाहिए कि माता-पिता ने उनके लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया है, इसलिए बुढ़ापे में उनकी सेवा और सम्मान उनका नैतिक कर्तव्य है। वहीं माता-पिता को भी यह समझना चाहिए कि समय बदल गया है, नई पीढ़ी की जीवनशैली और सोच अलग है, इसलिए उन्हें बच्चों को समझने और उन्हें स्वतंत्रता देने की आवश्यकता है। वास्तव में परिवार एक संस्था है, जो प्रेम, त्याग, सम्मान और संवाद पर चलती है, न कि केवल अधिकार और अनुशासन पर। जहां केवल अधिकार होंगे, वहां टकराव होगा; जहां केवल त्याग होगा, वहां असंतुलन होगा; लेकिन जहां प्रेम और संतुलन होगा, वहां परिवार मजबूत होगा।

तेलंगाना का यह कानून एक महत्वपूर्ण पहल है, लेकिन यह अंतिम समाधान नहीं है। कानून बच्चों को माता-पिता का भरण-पोषण करने के लिए मजबूर कर सकता है, लेकिन वह प्रेम, सम्मान और संवेदना पैदा नहीं कर सकता। इसके लिए समाज में नैतिक शिक्षा, पारिवारिक संस्कार और सामाजिक जागरूकता की आवश्यकता है। स्कूलों में, सामाजिक संस्थाओं में और धार्मिक संगठनों में परिवार और बुजुर्गों के सम्मान की शिक्षा दी जानी चाहिए। आज 'नया भारत' और 'विकसित भारत' की बात की जा रही है, लेकिन केवल आर्थिक विकास ही पर्याप्त नहीं है। यदि समाज में बुजुर्ग असुरक्षित, उपेक्षित और अपमानित होंगे, तो विकास अधूरा रहेगा। वास्तविक विकास वही है जिसमें समाज का हर वर्ग- बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग सुरक्षित और सम्मानित जीवन जी सकें।

अतः आवश्यक है कि हम तीन स्तरों पर कार्य करें- पहला, सरकार और कानून बुजुर्गों की आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करें। दूसरा, समाज में माता-पिता के सम्मान और सेवा के संस्कार विकसित किए जाएं। तीसरा, परिवार के भीतर माता-पिता और बच्चों के बीच संतुलित और संवादपूर्ण संबंध स्थापित किए जाएं। यदि ये तीनों स्तर मजबूत हो जाएं, तो न केवल बुजुर्गों का जीवन सुरक्षित और सम्मानजनक होगा, बल्कि परिवार संस्था भी मजबूत होगी और समाज में मानवीय संवेदनाएं जीवित रहेंगी। निश्चिततौर पर कहा जा सकता है कि माता-पिता केवल परिवार का हिस्सा नहीं होते, वे परिवार की जड़ होते हैं। यदि जड़ कमजोर होगी, तो वृक्ष भी कमजोर होगा। इसलिए बुजुर्गों का सम्मान और सुरक्षा केवल एक पारिवारिक या कानूनी मुद्दा नहीं, बल्कि समाज की नैतिकता और सभ्यता की परीक्षा है। जो समाज अपने बुजुर्गों का सम्मान नहीं करता, वह कभी महान नहीं बन सकता।

प्राथमिक विद्यालय गुलामपुर में परीक्षा परिणाम पाकर खिले छात्र-छात्राओं के चेहरे, मेधावियों को मिला सम्मान

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के विकास क्षेत्र गंगेश्वरी के अंतर्गत आने वाले प्राथमिक विद्यालय गुलामपुर में हर्षोल्लास के साथ वार्षिक परीक्षाफल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा माहौल रहा। जैसे ही छात्रों को उनके साल भर की मेहनत का परिणाम मिला, उनके चेहरों पर खुशी की लहर दौड़ गई।

कार्यक्रम के दौरान कक्षावार प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित एआरपी कमल दीपेंद्र सिंह ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि परीक्षा परिणाम केवल एक अंक पत्र नहीं है, बल्कि यह छात्रों के परिश्रम का प्रतिबिंब है। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वे भविष्य में भी इसी तरह मेहनत से पढ़ाई करें और अपने जीवन में आगे बढ़कर समाज व देश का नाम रोशन करें। प्राथमिक शिक्षक संघ गंगेश्वरी के ब्लॉक अध्यक्ष एवं विद्यालय के प्रधानाध्यापक रामवीर सिंह ने भी छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने सभी उत्तीर्ण छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जिससे जीवन के हर लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे निरंतर नया सीखने की कोशिश करते रहें। इस अवसर पर वरिष्ठ संकुल शिक्षक संजय सिंह, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष इंद्र सिंह, इंचार्ज अध्यापक मदनपाल, सहायक अध्यापक अमित कुमार, अजय सागर, मनीष कुमार, रेनू कंसल,राजवती, लीलावती, कुसुम,राशिद अली,संतराम सिंह आदि मुख्य रूप से शामिल रहे।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद की विनियमन समीक्षा समिति का 10 अप्रैल को जनपद में भ्रमण कार्यक्रम प्रस्तावित

सीडीओ ने बैठक की तैयारियों के संबंध में की समीक्षा

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में उत्तर प्रदेश विधान परिषद की विनियमन समीक्षा समिति के जनपद में 10 अप्रैल को प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम तथा समीक्षा बैठक की तैयारियों के संबंध में संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की गयी। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार समिति दिनांक 10 अप्रैल दिन शुक्रवार को सभापति अश्विनी त्यागी के सभापतित्व में समिति की जनपद के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की जाएगी। बैठक में आवास एवं शहरी नियोजन, आबकारी, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, गृह, राजस्व, पंचायती राज, बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, ऊर्जा, सहकारिता, नगर विकास, जल शक्ति, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, परिवहन, समाज कल्याण, लोक निर्माण विभाग, ग्राम्य विकास, वन विभाग, औद्योगिक विकास, सिंचाई, खाद्य एवं रसद, नमामि गंगे, पर्यावरण, चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास, अल्प संख्यक कल्याण, खनन, पशुधन, बाल विकास एवं पुष्टाहार, नेडा आदि विभागों के बिन्दुओं पर गहनता से चर्चा की गयी। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित सभी विभागों से कहा कि विगत 03 वर्षों में सदन में लगाये गये प्रकरणों के संबंध में समिति विधान मण्डल के 2026 के द्वितीय सत्र में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी, इसलिए सभी विभाग स्पष्ट विवरण एवं आख्या दें। कहा कि विवरण एवं आख्या प्रमाणित होनी चाहिए। सभी विभागों के अधिकारी बैठक में पूर्ण विवरण सहित समय से उपस्थित रहें। बैठक में जिस प्रारूप पर सूचनाएं उपलब्ध कराई जानी हैं, उस पर सभी विभागीय अधिकारियों को विस्तार से जानकारी देते हुए वांछित सूचनाओं को समय से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में पीडीडीआरडीए अंबरीश कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसौदिया, अधीक्षण अभियंता विद्युत विष्णु दयाल, लोक निर्माण विभाग, कृषि, आबकारी, जिला कार्यक्रम सहित संबंधित सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत पुलिस टीम की सराहनीय पहल, 14 बच्चों का कराया गया नामांकन

अमरोहा (सब का सपना):- मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत थाना अमरोहा देहात, जनपद अमरोहा की टीम द्वारा समाजहित में एक सराहनीय पहल की गई। मिशन शक्ति टीम में नियुक्त हेड कांस्टेबल 486 निरमा चौधरी, महिला कांस्टेबल 214 चीनू, कांस्टेबल संजय एवं कांस्टेबल भुवनेश द्वारा थाना क्षेत्र के ग्राम दरियापुर में विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान टीम ने गांव के अभिभावकों एवं स्थानीय लोगों को शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किया तथा बच्चों को विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित किया। पुलिस टीम के प्रयासों से कुल 14 बच्चों का प्राथमिक विद्यालय में नामांकन कराया गया। पुलिस टीम ने उपस्थित लोगों को यह संदेश दिया कि शिक्षा ही उज्ज्वल भविष्य की कुंजी है तथा प्रत्येक बच्चे को शिक्षा प्राप्त करना उसका अधिकार है।

साथ ही अभिभावकों से अपील की गई कि वे अपने बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करें और उन्हें शिक्षा से वंचित न रखें।

मिशन शक्ति टीम द्वारा किया गया यह प्रयास न केवल शिक्षा के क्षेत्र में एक सकारात्मक कदम है, बल्कि समाज में जागरूकता बढ़ाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। स्थानीय लोगों द्वारा पुलिस टीम के इस कार्य की सराहना की गई।

पीसीएस परीक्षा पास करने के बाद गजरौला पहुंचे नायाब तहसीलदार बिजेंद्र सिंह का ढोल नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला में गुरुवार को पीसीएस परीक्षा पास करने के बाद लखनऊ से अपने जनपद पहुंचे नायाब तहसीलदार विजेंद्र सिंह का सर्वप्रथम गजरौला के इंदिरा चौक पर शिव मंदिर में पूजा अर्चना कर अपने चाचा हरपाल सिंह पूर्व विधायक, भाजपा नेता विपिन सागर के साथ ढोल नगाड़ों के साथ नाचते गाते स्वागत किया तथा कवीनगर स्थित आवास पर पहुंचे। इंदिरा चौक पर सैकड़ो समर्थकों ने पटाखे आतिशबाजी की इसके उपरांत विजेंद्र सिंह अपने पैतृक गांव साथलपुर पहुंचने से पूर्व ढवारसी अड्डे पर हजारों समर्थकों ने फूलमाला आतिशबाजी पगड़ी पहनकर गाने बजाने के साथ स्वागत किया गांव पहुंचने पर नायब तहसीलदार विजेंद्र सिंह ने अंबेडकर पार्क में मूर्ति पर माल्यार्पण किया अपने गांव पहुंचते ही शिव मंदिर पर पूजा अर्चना के बाद घर वाले गांव वाले परिवारजन मिलने वालों का अभिवादन स्वीकार किया ।

उनकी इस बड़ी उपलब्धि से परिवार में गांव में क्षेत्र में बेहद खुशी का माहौल है इस खुशी मे अपने पिताश्री को याद करके माँ और भाई की आँखे नम हुई तथा खुशियों की इस वेला पर तमाम बधाईया पाकर परिवार बहुत खुश हुआ।इस अवसर पर ब्रजेश अग्रवाल, प्रमोद कुमार , विक्की वर्मा, अरविन्द , सतवीर प्रधान, सुशील सैनी , नरेन्द्र ढिल्लों, रिंकल , संजय सागर , रिंकू , सुभाष, योगेश चौधरी, अचित शर्मा , अजय चौधरी , भूपेंद्र प्रधान , रोहित सिद्धू , अंकित मान , उत्तम प्रजापति , पियूष चौधरी , गुड्डू सिँह, कौशल राणा , राहुल राणा , रामवीर गुर्जर , चमन सिँह, वी पी सिँह , अमन गोयल, राजू प्रधान , मुदित गुर्जर , रामोतार सिँह, राजकुमार , संजीव सिँह, अजय सागर, विभोर अग्रवाल, दीपू सिँह, वंशिक चौहान, आदि सेकड़ो समर्थक मौजूद रहे!!!

गजरौला में चैत्र पूर्णिमा पर स्नान के लिए गंगा घाट पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

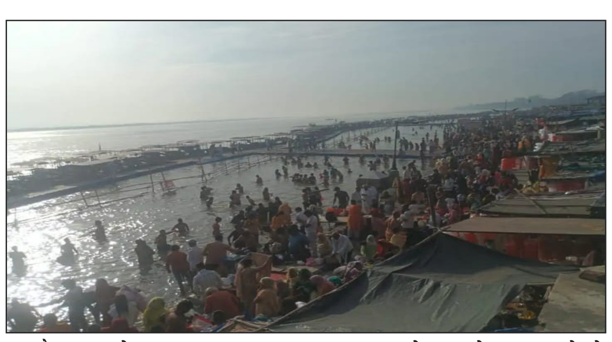

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के ब्रजघाट और तिगरी गंगा घाट पर बुधवार को चैत्र पूर्णिमा के अवसर पर स्नान के लिए भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती दिखाई दी। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई और सूर्य देव को अर्ध्य देकर प्रणाम किया। वहीं गंगा घाट 'हर हर गंगे' के जयकारों से भी गूंजता दिखाई दिया।

बता दें कि बुधवार को चैत्र पूर्णिमा के अवसर पर बृजघाट एवं तिगरी गंगा धाम में हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। गंगा घाटों पर दिल्ली ,हरियाणा, राजस्थान और पश्चिम उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से श्रद्धालु शाम से ही पहुंचने शुरू हो गए थे। देर रात तक अधिकांश भक्त गंगा किनारे एकत्र हो चुके थे। ब्रह्म मुहूर्त शुरू होते ही हर हर गंगे के जयकारों के साथ पवित्र गंगा में स्नान का क्रम शुरू हो गया। स्नान के उपरांत कई श्रद्धालुओं ने घाट किनारे बैठे पंडितों से भगवान सत्यनारायण की कथा सुनी और दक्षिणा अर्पित की ।श्रद्धालुओं ने ब्राह्मणों ,गरीबों और निराश्रितों को तिल, गुड़, कंबल तथा वस्त्र भी दान किये, स्नान और दान के बाद भक्तों ने वेदांत मंदिर, अमृत परिसर मंदिर ,हनुमान मंदिर, अवंतिका देवी सिद्ध पीठ, शीतल आश्रम, श्री कृष्णा आश्रम और गंगा मंदिर सहित विभिन्न धर्म स्थलों में अपने इष्ट देवी देवताओं की पूजा-अर्चना की। उन्होंने परिवार की खुशहाली और समृद्धि की कामना की ।गजरौला शहर और आसपास के क्षेत्र से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु तिगरी गंगा धाम पहुंचे और श्रद्धापूर्वक स्नान किया।

तिगरी के पंडित गंगा शरण शर्मा ने बताया कि चैत्र माह में सूर्य उदय से पूर्व गंगा में डुबकी लगाने और गरीब ,निराश्रितों को भोजन, वस्त्र ,लकडी, तिल का दान करने तथा ब्राह्मणों को दक्षिणा देने से व्यक्ति पापों से मुक्त होता है। ऐसा करने से मनवांछित फल प्राप्त होता है और व्यक्ति स्वर्ग का भागीदार बनता है।

भरतिया समूह के श्री राम मंदिर के हनुमान मंदिर में धूमधाम से मनाया हनुमान जन्मोत्सव

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- भरतिया समूह के श्री राम मंदिर परिसर में स्थित नवनिर्मित श्री हनुमान मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव का पर्व धूमधाम से मनाया गया। बजरंग बली को दुग्धाभिषेक कर चोला चढ़ाया गया। भव्य आरती के साथ ही 101 बार हनुमान चालीसा एवं सुंदर कांड का पाठ भी किया गया।

बता दें कि बृहस्पतिवार को हाईवे किनारे स्थित श्री राम मंदिर परिसर में बने श्री हनुमान मंदिर में पंडित मोहन मिश्र ने पूजन-अनुष्ठान कराया। इस मौके पर जुबिलेंट इंग्रेविया में यूनिट हेड विनोद झा, रंजना झा, निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित, एचआर हेड पुनीत तिवारी, आरए शर्मा, पवन दहिया, पीके उपाध्याय, एएन राय, कपिल जोशी, वीरेंद्र सिंह नेगी, एनके तोमर, ममता गुप्ता आदि मौजूद रहे।

अमरोहा के नवागत पुलिस अधीक्षक लाखन सिंह यादव से भाकियू (शंकर) प्रतिनिधिमंडल ने की शिष्टाचार भेंट

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में गुरुवार को भारतीय किसान यूनियन (शंकर) का एक प्रतिनिधिमंडल चौधरी दिवाकर सिंह के नेतृत्व में नवागत पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव से शिष्टाचार भेंट करने उनके कार्यालय पहुंचा। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने किसान का प्रतीक ह्लहलह्व भेंट कर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया।

बता दें कि इस दौरान पुलिस अधीक्षक लाखन सिंह ने प्रतिनिधिमंडल का आभार व्यक्त करते हुए आश्वासन दिया कि जनपद के किसानों एवं आमजन की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि किसानों के सम्मान में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी तथा कानून-व्यवस्था को मजबूत रखते हुए सभी वर्गों के हितों की रक्षा सुनिश्चित की जाएगी।प्रतिनिधिमंडल में प्रमुख रूप से विक्रम पवार, चौधरी दिवाकर सिंह, चौधरी धर्मवीर सिंह, राकेश (रतनपुर), जगत सिंह चौहान, मोनू चौधरी, कैप्टन वीर सिंह चौहान, लोकेश चौधरी, समरपाल सैनी, शेर सिंह राणा, कुलदीप सिंह, नरेश भगत, राज सिंह फौजी, सतवीर सिंह सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।भाकियू (शंकर) ने आशा व्यक्त की कि पुलिस प्रशासन के सहयोग से क्षेत्र में किसानों एवं आमजन की समस्याओं का शीघ्र एवं प्रभावी समाधान होगा।

पुरानी रंजिश के चलते फायरिंग करने वाले युवक को बछरायूं पुलिस ने किया गिरफ्तार

बछरायूं/अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमरोहा लाखन सिंह यादव के निर्देश अनुसार अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे हैं अभियान के क्रम में बछरायूं थाना पुलिस ने थाना क्षेत्र के गांव लखमिया में हुई पुरानी रंजिश को लेकर फायरिंग करने वाले युवक को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त की निशानदेही से एक अवैध तमंचा 315 बोर एवं दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

बता दें कि बीति 1 अप्रैल 2026 की दोपहर थाना बछरायुं क्षेत्र के गांव लखमिया में मनवीर सिंह पुत्र होमपाल सिंह निवासी ग्राम लंबिया थाना बछरायुं, जनपद अमरोहा के घर पर आकर अभियुक्त देवेंद्र आदि द्वारा पुराने रंजिश को लेकर जान से मारने की नीयत से फायरिंग की थी, सूचना पर स्थानीय पुलिस एवं फील्ड यूनिट द्वारा मौके पर निरीक्षण किया गया तथा प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना बछरायुं पर अपराध की संबंधित धाराओं में देवेंद्र, पमित व विकास पाल सिंह के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया था। इस मामले में बछरायु थाना पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए गुरुवार को मुख्य अभियुक्त देवेंद्र को शेरपुर हाल्ट स्टेशन के बाह खंडहर के पीछे से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में उसने पुरानी रंजिश एवं विवाद के चलते घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त की निशानदेही से घटना में प्रयुक्त तमंचा 315 बोर एवं दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं और गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

उच्च प्राथमिक विद्यालय मिठनपुर कला में मनाया वार्षिकोत्सव एवं नामांकन कार्यक्रम

अमरोहा (सब का सपना):- गुरुवार को जनपद के उच्च प्राथमिक विद्यालय मिठनपुर कला में वार्षिक उत्सव एवं नामांकन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी सोनू कुमार , विशेष अतिथि हरविंदर सिंह (स. अ.), निशी भूषण (स. अ.) , विवेक यादव (सचिव), आबिद अली (ग्राम प्रधान), गफरू (एसएमसी अध्यक्ष), सरताज अहमद (स. अ.) मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान आबिद अली ने तथा संचालन इंचार्ज अध्यापक विजेंद्र सिंह ने किया। समारोह के दौरान हर वर्ष की भाँति बौद्धिक ज्ञान परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली बालिका को साईकिल तथा बालक को नवीं क्लास का कोर्स प्रदान किया गया। छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया तथा कक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को स्मृति चिन्ह व शील्ड देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्राथमिक विद्यालय मिठनपुर कला का समस्त स्टाफ भी उपस्थित रहा।

आदमपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव में नाबालिग से दुष्कर्म, गर्भपात के बाद खुलासा

आदमपुर/अमरोहा (सब का सपना):- एक गांव में मानवता को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। जहां शादीशुदा युवक ने एक 14 वर्षीय नाबालिग किशोरी के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया और उसके बाद लगातार वह नाबालिग किशोरी को डरा धमकाकर घटना को अंजाम देता रहा। मिली जानकारी के मुताबिक आपको बता दें कि आदमपुर थाना क्षेत्र के ढ़वारसी चौकी क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव में 14 वर्षीय नाबालिग किशोरी के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आई है जहां गांव के ही एक शादीशुदा युवक ने पड़ोस में रहने वाली नाबालिग किशोरी के साथ 6 महीने पूर्व डरा धमका कर दुष्कर्म किया और उसके बाद वह लगातार दुष्कर्म करता रहा। नाबालिग किशोरी के परिजनों को मामले का पता तब चला जब वह खेत पर कार्य करने के लिए गए थे और वापस अपने घर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि नाबालिग किशोरी की तबीयत खराब है जब उन्होंने अपने पुत्री से पूछताछ की तो उसने बताया कि गांव का ही एक शादीशुदा युवक जो की एक बच्चे का पिता है।

उसने अब से 6 महीने पूर्व उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया था। इसके बाद से शादीशुदा युवक लगातार उसका शोषण करता रहा और घर बताने पर जान से मारने की धमकी देता रहा। सूत्रों के मुताबिक युवती ने परिजनों को बताया कि आज उसके बहन-बहनोई मुझे अपने साथ लेकर गए थे और उन्होंने मेरा गर्भपात कराया है। जिससे उसकी तबीयत काफी खराब है। इसके बाद परिजन युवती को लेकर थाने पहुंचे और संबंधित के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत करने की मांग की। वहीं थाना प्रभारी से जब इस मामले में बातचीत की गई तो उन्होंने बताया कि मामला संज्ञान में है नाबालिग किशोरी के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आई है जिसमें एक युवक के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया है। किशोरी को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। कड़ी कार्रवाई कर पीड़िता को न्याय दिलाया जाएगा।

तेज रफ्तार स्विफ्ट कार ने ई-रिक्शा को मारी टक्कर, 6 घायल दो की हालत गंभीर

यूपी-112 पुलिस की तत्परता से बचीं जानें, भागी कार समेत तीन आरोपी पकड़े

कैलादेवी/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में गुरुवार को यूपी-112 पुलिस को एक सड़क दुर्घटना की सूचना प्राप्त हुई। पीआरवी टीम अपने गंतव्य की ओर जा रही थी, तभी ग्राम लदनपुर के सामने सम्भल-गवां रोड, थाना कैलादेवी क्षेत्र में एक तेज रफ्तार स्विफ्ट कार ने ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में 5-6 लोग घायल हो गए, जिनमें से 2 की हालत गंभीर बताई गई। दुर्घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया।

सूचना मिलते ही पीआरवी कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर घायलों को संभाला। गंभीर रूप से घायल दो व्यक्तियों को जमीन पर पड़े देखा गया। पुलिस टीम ने बिना देर किए सभी घायलों को अपनी गाड़ी से जिला अस्पताल सम्भल पहुंचाकर भर्ती कराया, जिससे उनकी जान बचाई जा सकी।

इस दौरान पीआरवी टीम ने थाना कैलादेवी और कंट्रोल रूम को घटना की जानकारी दी। कंट्रोल रूम द्वारा भागी हुई स्विफ्ट कार की सूचना आसपास के क्षेत्रों में प्रसारित की गई और चेकिंग अभियान चलाया गया। कुछ ही समय बाद सम्भल के चौधरी सराय क्षेत्र में पीआरवी ने संदिग्ध स्विफ्ट कार को पकड़ लिया, जिसमें तीन युवक सवार थे। पुलिस ने कार सहित तीनों को हिरासत में लेकर थाना कैलादेवी को सुपुर्द कर दिया। यूपी-112 पुलिस की इस त्वरित और सराहनीय कार्रवाई से घायलों की जान बच सकी। स्थानीय लोगों और पीड़ित परिवारों ने पुलिस के इस कार्य की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त किया। पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी एवं नोडल अधिकारी यूपी-112 कुलदीप सिंह, तथा क्षेत्राधिकारी के कुशल निर्देशन और प्रभारी निरीक्षक यूपी-112 रजनीश कुमार के नेतृत्व में यह पूरी कार्रवाई सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

कलश यात्रा के साथ बड़ा मंदिर में गीता व भागवत कथा का हुआ शुभारंभ

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- नगर के नया बाजार स्थित बड़ा मंदिर में गुरुवार को धार्मिक कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ किया गया। कथा प्रारंभ होने से पूर्व नगर में कलश यात्रा बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, विशेषकर महिलाओं ने भाग लिया। कलश यात्रा बड़ा मंदिर से शुरू होकर सरार्फा बाजार, आर्य समाज रोड, ब्रह्म बाजार तिराहा और गोला गंज होते हुए पुनः बड़ा मंदिर पर आकर सम्पन्न हुई। यात्रा के दौरान जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा फूलों की वर्षा कर माता-बहनों और कथा वाचकों का स्वागत किया गया, जिससे वातावरण भक्तिमय बना रहा। गौ सेवा संस्थान एवं समाज हित संरक्षण समिति के नगर अध्यक्ष विकास वार्ष्णेय द्वारा पम्पलेट वितरित कर लोगों से समय पर कथा में पहुंचने की अपील की गई।

ईश्वर पंजाबी भगत जी ने बताया कि गुरुवार से ही दोनों कथाएं प्रारंभ हो गई हैं। प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक स्वामी कृष्णानंद जी महाराज द्वारा गीता ज्ञान दिया जाएगा, वहीं रात्रि 8 बजे से भागवत कथा व्यास बीरेश रामायणी महाराज कथा का रसपान कराएंगे। यह आयोजन 8 अप्रैल तक चलेगा।

कथा समिति ने कलश यात्रा में शामिल सभी महिलाओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के मुख्य यजमान भाजपा नेत्री बबिता शर्मा एवं उनके पति रामबाबू सर्राफ रहे, जो सिर पर भागवत ग्रंथ रखकर यात्रा में शामिल हुए। आयोजन को सफल बनाने में विकास वार्ष्णेय, ईश्वर पंजाबी भगत जी, कौशल गुप्ता, योगेंद्र वार्ष्णेय, बीरेन्द्र गुप्ता एडवोकेट, अतुल गुप्ता, नरेंद्र गुप्ता सहित अन्य लोगों का सहयोग रहा। महिला वर्ग से ऋतु, शिल्पा, हिना, ऋचा वार्ष्णेय आदि ने भी कलश उठाकर सहभागिता की।

प्राथमिक विद्यालय में परीक्षा फल वितरण समारोह आयोजित, बच्चों को किया सम्मानित

हयातनगर/सम्भल(सब का सपना):- नगर क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय हयातनगर में गुरुवार को परीक्षा फल वितरण समारोह बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में बच्चों और अभिभावकों की मौजूदगी से खुशी का माहौल देखने को मिला।

कार्यक्रम में इंचार्ज अध्यापक मोहम्मद फैजान रिजवी एवं समाजसेवी नाजिर खान ने बच्चों को परीक्षा परिणाम वितरित करते हुए मेधावी छात्रों को शील्ड देकर सम्मानित किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने बच्चों को आगे भी मेहनत और लगन के साथ पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया।

इस दौरान अरविन्द कुमार, रिक्की कपूर, पिंकी रानी एवं सबा परवीन ने भी बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

समारोह में जारा, सूफिया, आलिया, प्रिंस, मनीष, जैनव सहित अन्य छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

भूमि अधिग्रहण में पक्षपात का आरोप, किसान संघर्ष समिति ने नायब तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

चन्दौसी/सम्भल(सब का सपना):- तहसील परिसर में गुरुवार दोपहर राष्ट्रीय किसान संघर्ष समिति (अराजनैतिक) के पदाधिकारियों व किसानों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंपा। ज्ञापन में एनएच-509 स्थित बनिया ठेर से चन्दौसी-शाहबाद रोड पर प्रस्तावित फोरलेन निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण में पक्षपात का आरोप लगाया गया।

किसानों ने बताया कि असालतपुर जारई गांव में हिंदुस्तान प्लेस पार्क के समीप भूमि अधिग्रहण के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों पर प्लेस पार्क स्वामी से मिलीभगत कर किसानों के साथ भेदभाव करने का आरोप है। उनका कहना है कि किसानों की भूमि अधिक मात्रा में अधिग्रहित की जा रही है, जबकि प्लेस पार्क की भूमि को बचाया जा रहा है, जो कि न्यायसंगत नहीं है।

ज्ञापन में यह भी कहा गया कि किसानों और प्लेस पार्क की भूमि के बीच लगभग 5 मीटर चौड़ा कच्चा रास्ता है, जिसे केंद्र बिंदु मानते हुए दोनों पक्षों की भूमि समान रूप से अधिग्रहित की जानी चाहिए। लेकिन प्रशासन केवल किसानों की जमीन ले रहा है, जिससे किसान भूमिहीन होने की कगार पर पहुंच सकते हैं। इसके साथ ही मुआवजे को लेकर भी गंभीर आपत्ति जताई गई। किसानों का आरोप है कि प्लेस पार्क की भूमि का सर्किल रेट लगभग ड्ड8000 प्रति वर्ग मीटर तय किया गया है, जबकि किसानों की भूमि का सर्किल रेट मात्र ड्ड920 प्रति वर्ग मीटर दशार्या गया है, जो उनके साथ अन्याय है।

किसानों ने विकासखंड बनियाखेड़ा क्षेत्र के ग्राम असालतपुर जारई व देवरा खेड़ा (मोहल्ला अशोक नगर) में खराब सड़कों, कीचड़, मच्छरों और साफ-सफाई की व्यवस्था न होने की समस्या भी उठाई। उन्होंने कहा कि इन हालातों के कारण बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है, लेकिन प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष रामेश्वर दयाल शर्मा ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसानों की समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया गया तो किसान आंदोलन करने को बाध्य होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन किसानों की आवाज दबाने का प्रयास कर रहा है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस दौरान राहुल कश्यप, संजीव राघव, रामपाल सिंह, चीनू जैन, महावीर सिंह, अमर सिंह तोमर, वीरेंद्र सिंह तोमर, सुदेश तोमर, देशपाल मौर्य, भीकम सिंह, सुरेश सिंह, मनोज तोमर, अनिल कुमार, नरेश पाल सिंह सहित अनेक किसान मौजूद रहे।

हज यात्रियों के लिए ई-सुविधा कैंप आयोजित, दी गई अहम जानकारी

ट्रेनर्स ने हज प्रक्रिया, यात्रा और जरूरी तैयारियों पर किया मार्गदर्शन

सम्भल (सब का सपना):- जनपद में गुरुवार को हज कमेटी ऑफ उत्तर प्रदेश एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग सम्भल द्वारा गठित हज ई-सुविधा केंद्र, मरकजी मदरसा अहले सुन्नत अजमल उल उलूम, तेल मंडी सम्भल में हज यात्रियों के लिए एक विशेष कैंप का आयोजन किया गया। कैंप की शुरूआत सुबह 9:30 बजे कुरआन पाक की तिलावत से कारी सलमान अशरफी ने की, जिसके बाद तकी अशरफ एडवोकेट ने नात-ए-पाक पेश की। कार्यक्रम में मुफ़्ती आलम नूरी ने हज यात्रियों को हज के सफर, अरकान और मक्का-मदीना शरीफ के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने यात्रियों को सब्र और संयम के साथ सभी अरकान अदा करने तथा एक-दूसरे की मदद करने की सलाह दी।

हज ट्रेनर तकी अशरफ एडवोकेट ने यात्रियों को हज यात्रा के दौरान जरूरी सामान, बैग की तैयारी, एयरपोर्ट प्रक्रिया, जरूरी दस्तावेज और हवाई यात्रा के नियमों के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही वहां पहुंचने के बाद की प्रक्रियाओं और वापसी के दौरान सावधानियों पर भी प्रकाश डाला।

जिला हज ट्रेनर अब्दुल खालिक ने हज कमेटी के हज सुविधा एप और नुसुक एप के उपयोग के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यात्री इन एप्स के माध्यम से अपनी यात्रा को आसान बना सकते हैं। उन्होंने बताया कि वीजा ईमेल के माध्यम से

भव्य झांकियों और जयकारों के बीच मनाई गई हनुमान जयंती, उमड़ा आस्था का जनसैलाब

श्री बाला जी सेवा समिति के आयोजन में हजारों श्रद्धालु शामिल, नगर पालिका अध्यक्ष ने फीता काटकर किया शुभारंभ

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई नगर में गुरुवार को श्री बाला जी सेवा समिति के तत्वावधान में हनुमान जयंती का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा, आकर्षक झांकियां और भक्तिमय माहौल ने पूरे नगर को रामभक्ति के रंग में सराबोर कर दिया। शोभायात्रा का शुभारंभ मंडी समिति से हुआ, जहां से यह यात्रा इस्लामनगर चौराहा, ब्रह्म बाजार, नया बाजार, ऊपरकोट सहित नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर काली माता मंदिर पर जाकर सम्पन्न हुई। शोभायात्रा के दौरान भगवान हनुमान, भगवान राम, माता सीता और लक्ष्मण जी की सुंदर झांकियां सजाई गई थीं, जिन्होंने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। डीजे और बैंड-बाजों पर बज रहे भक्ति गीतों के बीच श्रद्धालु जय श्रीराम और जय बजरंगबली के उद्घोष करते हुए आगे बढ़ते रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष राजेश शंकर राजू ने फीता काटकर किया। उन्होंने इस अवसर पर क्षेत्रवासियों को हनुमान जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में आपसी भाईचारा, एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत करने का कार्य करते हैं।

शोभायात्रा के मार्ग में जगह-जगह सामाजिक संगठनों एवं स्थानीय नागरिकों द्वारा स्वागत द्वार बनाए गए थे, जहां श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया गया। कई स्थानों पर जलपान और प्रसाद वितरण की भी व्यवस्था की गई, जिससे श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

पूरे आयोजन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए थे। पुलिस प्रशासन के अधिकारी और कर्मचारी भारी संख्या में तैनात रहे, जिससे शोभायात्रा शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हो सकी। हनुमान जयंती के इस भव्य आयोजन में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने यह साबित कर दिया कि बहजोई नगर में धार्मिक आस्था और उत्साह अपने चरम पर है। पूरे नगर में दिनभर भक्तिमय वातावरण बना रहा और हर ओर बजरंगबली के जयकारों की गूंज सुनाई देती रही।

हनुमान जन्मोत्सव पर हिंदू जाग्रति मंच का आयोजन, श्रद्धालुओं ने लिया प्रसाद

असमोली/सम्भल(सब का सपना):- क्षेत्र में गुरुवार को हनुमान जी के पावन जन्मोत्सव के अवसर पर हिंदू जाग्रति मंच द्वारा भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने बड़े हर्षोल्लास और भक्ति भाव के साथ पूजा-अर्चना कर बजरंगबली का आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर क्षेत्र में प्रसाद वितरण का आयोजन भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुओं ने भाग लिया। जय श्रीराम और जय बजरंगबली के जयकारों के बीच सभी ने प्रसाद ग्रहण कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

कार्यक्रम के दौरान अंकुश त्यागी ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में भाईचारे को बढ़ावा देते हैं। वहीं पुनीत त्यागी और कुंवर पाल ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रमों से समाज में एकता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। वैभव गुप्ता ने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि हनुमान जन्मोत्सव के इस पावन अवसर पर युवा पीढ़ी को धर्म और संस्कारों के मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए।

कार्यक्रम में अनुज त्यागी, अवध दूबे, आशीष, शुभम, विवेक, प्रदीप, राहुल, अमन त्यागी सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। आयोजन के दौरान पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

पुलिस ने की पैदल गश्त, डीआईजी मुनिराज ने कानून-व्यवस्था को लेकर दिए सख्त निर्देश

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस उपमहानिरीक्षक, मुरादाबाद परिक्षेत्र मुनिराज ने गुरुवार को कस्बा बहजोई में पुलिस अधिकारियों व बल के साथ पैदल गश्त किया। इस दौरान उनके साथ अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) सम्भल, क्षेत्राधिकारी सम्भल, क्षेत्राधिकारी बहजोई सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

गश्त के दौरान प्रमुख बाजारों और भीड़भाड़ वाले स्थानों का भ्रमण किया गया। पुलिस अधिकारियों ने व्यापारियों, समाजसेवियों और स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित कर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उनकी राय भी जानी। साथ ही लोगों से अपील की गई कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और कोई संदिग्ध गतिविधि दिखाई देने पर तुरंत पुलिस को सूचना दें तथा प्रशासन का सहयोग करें।

इस दौरान पुलिस द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन चेकिंग भी की गई, जिससे क्षेत्र में सुरक्षा का माहौल और मजबूत हुआ। आमजन में सुरक्षा की भावना जागृत करने के उद्देश्य से लगातार गश्त और निगरानी पर जोर दिया गया।

पुलिस उपमहानिरीक्षक मुनिराज ने मौके पर मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों को सतर्कता बरतने, प्रभावी गश्त करने और संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

खंड शिक्षा अधिकारी और सीडीपीओ से स्पष्टीकरण तलब, 10 अप्रैल तक कार्य पूरे करने के सख्त निर्देश

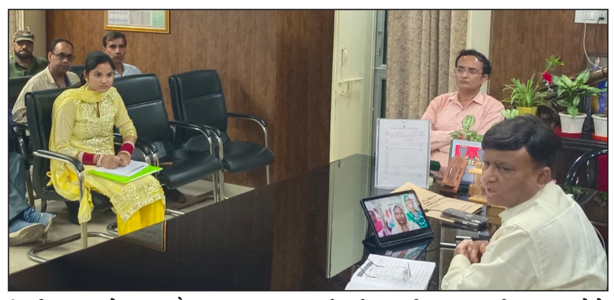

बिजनौर (सब का सपना):- आकांक्षात्मक विकास खंडों में योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही पर मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह ने कड़ा रुख अपनाते हुए विकासखंड कोतवाली और नजीबाबाद के खंड शिक्षा अधिकारियों, एडीओ पंचायत और सीडीपीओ से स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि शासन की प्राथमिकता वाले कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विकास भवन स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान सीडीओ ने कायाकल्प कार्यक्रम, पोषण वितरण और शौचालय निर्माण एवं मरम्मत कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। समीक्षा में कार्यों की धीमी गति और निर्धारित मानकों के अनुरूप प्रगति न मिलने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाई और जवाबदेही तय करने के निर्देश दिए।
सीडीओ रणविजय सिंह ने कहा कि आकांक्षात्मक विकास खंडों के लिए नीति आयोग और राज्य सरकार द्वारा स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, स्वच्छता, वित्तीय समावेशन और आधारभूत ढांचे से जुड़े स्पष्ट इंडिकेटर निर्धारित किए गए हैं। इन सभी बिंदुओं पर समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्य करना अनिवार्य है। उन्होंने निर्देश दिया कि आगामी 10 अप्रैल तक सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप पूर्ण कर लिए जाएं।
उन्होंने यह भी कहा कि 11 अप्रैल को प्रस्तावित समीक्षा बैठक में यदि किसी भी इंडिकेटर पर प्रगति संतोषजनक नहीं पाई गई, तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को आकांक्षात्मक ब्लॉकों को राज्य औसत से बेहतर प्रदर्शन की दिशा में ले जाने के लिए नियमित मॉनिटरिंग और फील्ड विजिट बढ़ाने के निर्देश दिए।
बैठक में जिला स्तरीय अधिकारियों ने भी अपने-अपने विभागों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। सीडीओ ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक समय से पहुंचे, ताकि जनपद के समग्र विकास को गति मिल सके।

जिलाधिकारी जसजीत कौर को नीति आयोग से मिला सम्मान

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के लिए गर्व की बात है कि जिलाधिकारी जसजीत कौर को नीति आयोग भारत सरकार द्वारा आयोजित ह्लनीति फॉर स्टेट्स यूज केस चैलेंजह्व में विजेता के रूप में चयनित किया गया है। आकांक्षी ब्लॉकों में जमीनी चुनौतियों के समाधान और नवाचार आधारित कार्यों के लिए उन्हें यह उपलब्धि हासिल हुई है।
जिलाधिकारी जसजीत कौर ने बताया कि नीति आयोग द्वारा इस चैलेंज की शुरूआत 23 दिसंबर 2024 को की गई थी, जिसका उद्देश्य जिलों को डेटा आधारित विश्लेषण के जरिए समस्याओं की पहचान कर प्रभावी समाधान प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित करना था। इस प्रतियोगिता में स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि, सामाजिक विकास, बुनियादी ढांचा और वित्तीय समावेशन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में कार्यों का मूल्यांकन किया गया। उन्होंने जानकारी दी कि बिजनौर जिले के विकासखंड नजीबाबाद में स्वास्थ्य एवं पोषण तथा विकासखंड कोतवाली में सामाजिक विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर यह सम्मान प्राप्त हुआ है। इस उपलब्धि के अंतर्गत प्रत्येक इंडिकेटर के लिए एक-एक लाख रुपये की धनराशि भी प्रदान की जाएगी।जिलाधिकारी ने इस सफलता का श्रेय जनपद के सभी विभागों के समन्वय, टीमवर्क और अधिकारियों-कर्मचारियों की मेहनत को दिया। उन्होंने कहा कि आकांक्षी ब्लॉकों में इस प्रकार की उपलब्धि जिले के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में भी इसी तरह नवाचार और बेहतर कार्यप्रणाली के माध्यम से जनपद को विकास के नए आयामों तक पहुंचाने का प्रयास जारी रहेगा।

स्योहारा में हनुमान जन्मोत्सव पर निकली विशाल शोभायात्रा

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर के स्योहारा नगर में हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर भव्य शोभायात्रा का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, उत्साह और उल्लास के साथ किया गया। नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरती इस शोभायात्रा ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।
शोभायात्रा का शुभारंभ ठाकुर मंदिर से हुआ, जो हिंदू चौधरियां रियासत क्षेत्र में स्थित है। वहाँ से यह यात्रा सब्जी मंडी, शिवाजी मार्केट, जुमराज का बाजार, स्टेशन रोड होते हुए मुरादाबाद रोड से पुनः ठाकुर मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई।
पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रही। जगह-जगह लोगों ने पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया।
इस धार्मिक आयोजन में नगर के अनेक गणमान्य नागरिकों की सक्रिय भागीदारी रही, जिनमें सोनू रस्तोगी, सुनील कुमार गम, सुनील कुमार त्यागी, पीयूष रस्तोगी, राजपाल सिंह प्रजापति, शाही रस्तोगी, शैंकी रस्तोगी, राजवीर सिंह त्यागी, डॉ. यज्ञदत्त, मोंटी बंसल, अश्वनी बिश्नोई, सत्येंद्र सैनी, विनोद तोमर आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।
शोभायात्रा के दौरान थाना अध्यक्ष संजय सिंह पुलिस बल के साथ पूरी तरह मुस्तैद रहे। पूरे मार्ग पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण और व्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ।
शोभायात्रा के दौरान नगर के विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं के लिए जलपान की व्यवस्था भी की गई। रानी कामिनी सिंह की रियासत में विशेष रूप से जलपान की व्यवस्था रही, वहीं जुमराज बाजार में संजय जैन द्वारा भी श्रद्धालुओं की सेवा की गई।
यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक रहा, बल्कि नगर की सामाजिक एकता, सहयोग और उत्साह का भी अद्भुत उदाहरण बनकर सामने आया।

आभा फाउंडेशन द्वारा 500 मेधावी छात्राओं को निशुल्क साइकिलें की गई वितरित, शिक्षा की राह हुई और सशक्त

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के चांदपुर में शिक्षा और बेटियों के सशक्तिकरण की दिशा में एक सराहनीय पहल देखने को मिली। आभा फाउंडेशन द्वारा उत्तर प्रदेश बोर्ड की 500 मेधावी छात्राओं को निशुल्क साइकिलें वितरित की गईं, जिससे उनकी शिक्षा की राह और आसान हो सके। यह कार्यक्रम बिजनौर रोड स्थित फादरसन पब्लिक स्कूल के परिसर में आयोजित किया गया, जहाँ बड़ी संख्या में छात्राएं, अभिभावक, सामाजिक कार्यकर्ता, व्यापारी और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोग उपस्थित रहे।
कार्यक्रम का वातावरण उत्साह और गर्व से भरा हुआ था—निशुल्क साइकिल पाकर छात्राओं के चेहरे खिल उठे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला अधिकारी जसजीत कौर और विशिष्ट अतिथि के रूप में चांदपुर विधायक स्वामी ओमवेश उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का स्वागत फूलों के गुलदस्ते भेंट कर किया गया। अपने संबोधन में अतिथियों ने इस पहल को बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देने वाला प्रेरणादायक कदम बताया।
मीडिया से बातचीत में आभा फाउंडेशन की संचालिका अभनी ने बताया कि संस्था समय-समय पर जरूरतमंदों की सहायता करती रही है। इस बार उन छात्राओं को साइकिलें प्रदान की गईं, जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जनपद का नाम रोशन किया है।
साइकिल मिलने से छात्राओं को अब स्कूल आने-जाने में सुविधा होगी, समय की बचत होगी और वे अधिक आत्मनिर्भर बन सकेंगी।
यह पहल केवल साइकिल वितरण तक सीमित नहीं, बल्कि एक सामाजिक संदेश भी देती है कि जब बेटियां आगे बढ़ेंगी, तभी समाज और राष्ट्र प्रगति करेगा।
बिजनौर की यह पहल अन्य जनपदों के लिए भी एक अनुकरणीय उदाहरण बन सकती है, जहाँ शिक्षा और सशक्तिकरण को साथ लेकर चलने की जरूरत है।

तालिब-खालिद प्रकरण मे सपा कार्यकताओं की चेतावनी निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो करेंगे आंदोलन

बिजनौर (सब का सपना):- तालिब-खालिद प्रकरण को लेकर जनपद में सियासत तेज हो गई है। गुरुवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के नेताओं और कार्यकताओं ने इस मामले में निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। सपा नेताओं ने आरोप लगाया कि मामले में एकतरफा कार्रवाई की जा रही है, जिससे जनमानस में भ्रम और असंतोष की स्थिति बन रही है।
ज्ञापन के माध्यम से सपा नेताओं ने कहा कि यह प्रकरण लगभग 10 महीने पुराना है और इस दौरान कई बार इसकी जांच हो चुकी है। इसके बावजूद बार-बार एक ही मामले को उठाया जाना न्यायसंगत नहीं है। उन्होंने कहा कि एक अपराध के लिए एक ही बार सजा का प्रावधान है, ऐसे में बार-बार कार्रवाई की कोशिश सवाल खड़े करती है।
सपा पदाधिकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ लोग धर्म और जाति के आधार पर राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास कर रहे हैं, जिससे जिले का माहौल खराब हो सकता है। उन्होंने प्रशासन से निष्पक्षता बरतने और भाईचारा बनाए रखने की अपील की। इस दौरान डॉ. रमेश तोमर, अखलाक पप्पू, प्रमोद प्रधान, प्रभा चौधरी, सत्यपाल सिंह, मोहम्मद काशिफ और नगर अध्यक्ष राधा सैनी सहित कई नेता मौजूद रहे।
इसी क्रम में नूरपुर विधायक राम अवतार सैनी ने पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा से मुलाकात कर मामले में निष्पक्ष जांच की मांग दोहराई। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि पूरे प्रकरण में निष्पक्षता नजर नहीं आ रही है
और प्रशासन पर दबाव होने की आशंका है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ तत्व सांप्रदायिक माहौल बिगाड़कर राजनीतिक लाभ लेना चाहते हैं।
सपा नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि मामले की निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा। वहीं, प्रशासन का कहना है कि पूरे मामले की जांच निष्पक्ष और तथ्यों के आधार पर की जा रही है।

सील तोड़कर चल रही आरा मशीन पर प्रशासन की सख्ती, दोबारा से लगाई गई सील

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में प्रशासन द्वारा सील की गई आरा मशीन को तोड़कर अवैध रूप से संचालित करने का मामला सामने आया है। ड्रोन कैमरे से निगरानी के दौरान मशीन चालू हालत में मिली, जिसके बाद प्रशासन में हड़कंप मच गया।
सूचना मिलते ही प्रशासनिक और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जांच में स्पष्ट हुआ कि पहले लगाई गई सरकारी सील को तोड़कर आरा मशीन को दोबारा चालू कर दिया गया था।
मामले को गंभीरता से लेते हुए डीएफओ जय सिंह कुशवाहा के निर्देश पर आरा मशीन को पुनः सील कर दिया गया। साथ ही सील तोड़ने के आरोप में तालिब और खालिद बंधुओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।
डीएफओ जय सिंह कुशवाहा ने स्पष्ट कहा कि आरा मशीन की सील खोलने के लिए विभाग की ओर से कोई अनुमति नहीं दी गई थी। उन्होंने बताया कि न तो उनके द्वारा और न ही पूर्व डीएफओ द्वारा सील खोलने के आदेश दिए गए थे, इसके बावजूद मशीन अवैध रूप से संचालित की जा रही थी।
वन विभाग ने इस संबंध में बिजनौर पुलिस को तहरीर दे दी है और विभागीय स्तर पर भी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। प्रशासन का कहना है कि अवैध गतिविधियों के खिलाफ सख्त अभियान आगे भी जारी रहेगा।

जनगणना की तैयारियों को लेकर कलेक्ट्रेट में की गई समीक्षा बैठक

बिजनौर (सब का सपना):- जनगणना कार्य को लेकर जिलाधिकारी जसजीत कौर ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में आयोजित बैठक में उन्होंने जनगणना से जुड़े सभी बिंदुओं की विस्तार से समीक्षा करते हुए समयबद्ध और त्रुटिरहित कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।
बैठक में डीएम ने उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि जनगणना के अंतर्गत बनाए गए एचएलबी (हाउस लिस्टिंग ब्लॉक) का स्थलीय सत्यापन कर लिया जाए और किसी भी स्थिति में इनकी आबादी निर्धारित मानक से अधिक न हो। उन्होंने कहा कि जिन कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है, उनका जियो टैगिंग कार्य पूर्ण कर पोर्टल पर उनकी मैपिंग अनिवार्य रूप से की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में कर्मचारियों की कमी है, वहां अन्य स्थानों से समायोजन कर व्यवस्था दुरुस्त की जाए। डीएम ने स्पष्ट किया कि सभी सूचनाएं निर्धारित प्रारूप में और पूर्ण विवरण के साथ ही भेजी जाएं, ताकि कार्य में पारदर्शिता बनी रहे।
जिलाधिकारी ने अध्यापकों और महिला कर्मचारियों की ड्यूटी उनके कार्यस्थल के आसपास ही लगाने के निर्देश देते हुए कहा कि उन्हें अनावश्यक रूप से दूर क्षेत्रों में तैनात न किया जाए। साथ ही, प्रत्येक एचएलबी बैच पर एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति और प्रशिक्षण की गुणवत्ता की निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।
उन्होंने जानकारी दी कि प्रगणकों और पर्यवेक्षकों की नियुक्ति 31 मार्च तक पूर्ण कर ली गई है। 5 अप्रैल को सीएमएस पोर्टल पर यूजर आईडी जारी कर प्रशिक्षण बैच बनाए जाएंगे, जबकि 15 अप्रैल तक सामग्री वितरण और प्रशिक्षण पूरा कराया जाएगा। 20 जून से फील्ड कार्य की रूपरेखा तय की जाएगी।
बैठक में संबंधित विभागों के सभी अधिकारी मौजूद रहे।

30 अप्रैल तक ई-ऑफिस प्रक्रिया पूर्ण कर 1 मई से पूर्ण रूप से लागू करने के निर्देश

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार बहजोई में जिलाधिकारी सम्भल डॉ. राजेंद्र पैंसिया की अध्यक्षता में जनपद स्तर पर ई-ऑफिस प्रणाली के संचालन को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के सभी विभागों में ई-ऑफिस व्यवस्था को शत-प्रतिशत लागू करने पर जोर दिया गया।
जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी कार्यालयों में कार्य केवल ई-ऑफिस के माध्यम से ही किया जाए, जिससे कार्य प्रणाली में पारदर्शिता और तेजी लाई जा सके। उन्होंने स्पष्ट कहा कि 30 अप्रैल तक सभी अधिकारी एवं कर्मचारी ई-ऑफिस की प्रक्रिया को पूरी तरह समझ लें और 1 मई से इसे हर हाल में लागू किया जाए।
अपर जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अवकाश (छुट्टी) से संबंधित फाइलें भी ई-ऑफिस के माध्यम से ही संचालित की जाएं और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।
बैठक में ई-ऑफिस प्रणाली के सफल संचालन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।
इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि/रा) प्रदीप वर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह, मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर जिलाधिकारी न्यायिक सौरभ कुमार पांडेय, सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार, उपजिलाधिकारी चन्दौसी आशुतोष तिवारी, उपजिलाधिकारी गुन्नौर अवधेश कुमार, उपजिलाधिकारी सम्भल निधि पटेल, डिप्टी कलेक्टर वंदना मिश्रा, नीतू रानी, रामानुज सहित समस्त संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित

जिलाधिकारी का बबराला स्थित गैस एजेंसी पर औचक निरीक्षण, स्टॉक सही मिला, दिए सख्त निर्देश

बबराला/सम्भल(सब का सपना):- गुरुवार सुबह जिलाधिकारी सम्भल द्वारा बबराला स्थित ललतेश एच.पी. गैस एजेंसी का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ उपजिलाधिकारी गुन्नौर, जिला पूर्ति अधिकारी, पूर्ति निरीक्षक संजीव कुमार तथा पूर्ति लिपिक नकुल कुमार भी मौजूद रहे।
निरीक्षण के समय गैस एजेंसी स्वामी योगेश कुमार गुप्ता मौके पर उपस्थित मिले। जिलाधिकारी ने एजेंसी के स्टॉक रजिस्टर की सघन जांच कर मिलान किया, जिसमें स्टॉक सही पाया गया।
जिलाधिकारी ने गैस एजेंसी संचालक को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक उपभोक्ता को गैस बुकिंग के बाद नियमानुसार समय पर एलपीजी रिफिल उपलब्ध कराया जाए और किसी भी उपभोक्ता को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि उपभोक्ताओं की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए तथा एजेंसी पर आने वाले लोगों के साथ शालीन और विनम्र व्यवहार किया जाए।
साथ ही जिलाधिकारी ने स्पष्ट चेतावनी दी कि गैस का अनाधिकृत भंडारण या कालाबाजारी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि इस प्रकार की कोई शिकायत या तथ्य सामने आता है तो संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

हरियाणा में कई अधिकारियों पर गिरेगी गाज, आज खुलेगा भ्रष्टाचार का काला चिट्ठा...अफसरों की धड़कनें तेज

हरियाणा : हरियाणा में भ्रष्टाचार के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति के तहत एक और बड़े घोटाले की परतों से पर्दा हटने वाला है। प्रदेश के बहुचर्चित 'वर्क स्लिप घोटाले' की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट आज सरकार को सौंपी जा सकती है। सूत्रों के अनुसार, इस रिपोर्ट में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं, जिसके बाद प्रशासनिक खेमे में हड़कंप मच गया है। माना जा रहा है कि रिपोर्ट के आधार पर कई आईएएस , एचसीएस और विभागीय तकनीकी अधिकारियों पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की गाज गिरना तय है। यह घोटाला मुख्य रूप से नगर निगमों, नगर परिषदों और विकास विभागों में किए गए छोटे-बड़े निर्माण कार्यों से जुड़ा है। नियमों के मुताबिक, किसी भी सरकारी काम के लिए टेंडर प्रक्रिया अपनाई जाती है, लेकिन इस घोटाले में 'वर्क स्लिप' का सहारा लेकर

नियमों को ताक पर रखा गया। करोड़ों रुपये के काम टुकड़ों में बांटकर 'वर्क स्लिप' के जरिए चहेते ठेकेदारों को दे दिए गए ताकि बड़ी टेंडर प्रक्रिया से बचा जा सके। जांच में संकेत मिले हैं कि कई क्षेत्रों में काम सिर्फ कागजों पर हुआ, वर्क स्लिप जारी हुईं और भुगतान भी हो गया, लेकिन धरातल पर ईंट तक नहीं लगी। एक ही काम के लिए दो-दो बार वर्क स्लिप जारी कर सरकारी खजाने को दोहरा चूना लगाया गया। सूत्रों की मानें तो इस घोटाले की आंच केवल निचले स्तर के क्लर्कों या जूनियर इंजीनियरों तक सीमित नहीं है। जांच का घेरा नगर आयुक्तों (Commissioners), कार्यकारी अभियंताओं (EN) और कुछ रिटायर्ड अधिकारियों तक भी पहुँच गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय (CMO) इस मामले की खुद निगरानी कर रहा है, जिससे स्पष्ट है कि किसी भी रसूखदार को बख्शा नहीं जाएगा।

बेमौसम बारिश-ओलावृष्टि से फसलों को भारी नुकसान, सीएम ने किया ये बड़ा ऐलान

चंडीगढ़ः हरियाणा के कई जिलों में मंगलवार की रात हुई ओलावृष्टि और बारिश से गेंहू की फसल को नुकसान पहुंचा है। राज्य सरकार ने तुरंत सक्रिय होकर प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति की जानकारी लेने और नुकसान का आकलन कराने के निर्देश दिए हैं। राज्य सरकार ने सभी अधिकारियों से रिपोर्ट मांगते हुए कहा है कि यदि किसी क्षेत्र में नुकसान हुआ है तो इसकी सूचना तुरंत उपलब्ध कराई जाए। फिलहाल किसी जिले से फसल नुकसान की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और सभी जिलों से अनौपचारिक जानकारी ली

गई है। पिछले दो दिन में हुई बारिश से हरियाणा के कई जिलों में फसलों के नुकसान होने की जानकारी सामने आई है। मंगलवार को 16 से ज्यादा जिलों में तेज हवाओं के साथ हल्की व मध्यम बारिश हुई है। कई किसानों का कहना है कि ओलावृष्टि से फसलों का दाना झड़ गया है।

इससे गुणवत्ता खराब हो सकती है। इससे किसानों की परेशानी बढ़ गई है। एक दिन पहले सीएम ने नायब सिंह सैनी ने भी जिला उपायुक्तों को निर्देश दिए थे कि जहां-जहां नुकसान हुआ है, उसकी गिरदावरी पूरी पारदर्शिता के साथ करें और क्षेत्र के एसडीएम खुद मौके पर जाकर स्थिति देखें। रिपोर्ट तैयार होने पर उपायुक्त उसका आकलन कर मुख्यालय को भेजेंगे।मौसम विभाग के अनुसार तीन और चार अप्रैल को भी वर्षा होने की संभावना है, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है।

परिवार पर टूटा आफत का पहाड़...घर में इकलौते कमाने वाले की हादसे में गई जान, 4 बेटियों के सिर से उठा पिता का साया

सोहना : बीती देर रात सोहना गुरुग्राम एलिवेटेड मार्ग पर जीडी गोयनका स्कूल के समीप उस समय एक करीब 45 वर्षीय व्यक्ति को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा, जिस समय राजस्थान से गेहूं भरकर गुरुग्राम के बादशाहपुर जा रहे ओवरलोड ट्रैक्टर के चालक ने ट्रैक्टर को तेज गति व लापरवाही से चला कर मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। 8 साल से सेंट्रल पार्क में कूक का काम कर रहा था मृतक टक्कर लगने के बाद जहाँ एक तरफ ट्रैक्टर के परखच्चे उड़ गए, वहीं ओवरलोड ट्राली भी बीच सड़क पर ही पलट गई। सूत्रों की मानें तो इस सड़क हादसे के दौरान ट्रैक्टर चालक भी घायल हुआ है, जिसको स्थानीय लोगों द्वारा उपचार के लिए किसी निजी हॉस्पिटल में दाखिल कराया गया था। वही मोटरसाइकिल सवार युवक को सोहना के नागरिक अस्पताल में लाया गया, जहाँ पर चिकित्सको ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक व्यक्ति चंचल यादव बिहार के जिला मधुबनी के गांव राजनगर का रहने वाला था, जो करीब 8 साल से सेंट्रल पार्क में कूक का काम कर रहा था..परिवार पर टूटा आफत का पहाड़ मृतक की बहन की मानें तो मृतक व्यक्ति के ऊपर ही पूरा परिवार आधारित था,जिसकी मौत के बाद परिवार के लोगों पर आफत का पहाड़ टूट पड़ा है, क्योंकि घर में कमाने वाला कोई नहीं है। मृतक की चार बेटियां है। मृतक की बहन ने सरकार व सेंट्रल पार्क प्रबंधक से मृतक के परिवार की आर्थिक सहायता करने के लिए गुहार लगाई है। फिलहाल इस मामले में सोहना शहर थाना पुलिस ने कार्यवाही करते हुए अज्ञात ट्रैक्टर चालक के खिलाफ सम्बंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कराने के बाद ट्रैक्टर ट्राली को अपने कब्जे में लेते हुए मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया है।

नकल पर नकेलः हरियाणा बोर्ड की परीक्षाओं में धरे गए! 422 नकलची, अधीक्षकों और पर्यवेक्षकों पर भी गिरी गाज

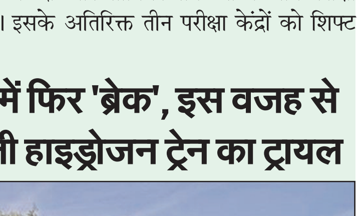

भिवानीः हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की ओर से बुधवार को आयोजित 12वीं की राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क व संस्कृत व्याकरण-2 विषय की परीक्षा में नकल के 35 मामले दर्ज किए गए। इस बार 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं में नकल के 422 मामले दर्ज हो चुके हैं। वहीं परीक्षा ड्यूटी में कोताही मिलने पर 7 केंद्र अधीक्षक, दो उपकेंद्र अधीक्षक और 65 पर्यवेक्षकों को रिलीव किया जा चुका है। बुधवार को अंतिम दिन की परीक्षा में 736 परीक्षा केंद्रों पर 45,377 - परीक्षार्थी शामिल हुए। इन परीक्षाओं में ड्यूटी के प्रति कोताही बरतने वाले सात केंद्र अधीक्षक, दो उपकेंद्र अधीक्षक और करीब 65 पर्यवेक्षक रिलीव हुए हैं। बोर्ड अध्यक्ष पवन कुमार ने बताया कि 1433 परीक्षा केंद्रों पर लगभग 5,71,767 परीक्षार्थी शामिल हुए। इसमें सेकेंडरी के 2,95,748, सीनियर सेकेंडरी के 2,70,663 और डीएलएड के 5356 परीक्षार्थी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि सेकेंडरी के दो और सीनियर सेकेंडरी के तीन परीक्षा केंद्रों की परीक्षा रद्द की गई है। इसके अतिरिक्त तीन परीक्षा केंद्रों को शिफ्ट किया गया था।

हाइड्रोजन प्लांट में फिर 'ब्रेक', इस वजह से थमा देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का ट्रायल

जींदः हाइड्रोजन प्लांट में लगा इलेक्ट्रोफायर दोबारा खराब होने से गैस आ रही हाइड्रोजन ट्रेन का उत्पादन प्रभावित हो गया है। इसका सीधा असर ट्रेन के ट्रायल शेड्यूल पर पड़ा है और निर्धारित समय पर परीक्षण नहीं हो सका। इलेक्ट्रोफायर हाइड्रोजन गैस तैयार करने की प्रक्रिया का अहम हिस्सा है। इसके खराब होने से प्लांट में गैस बननी बंद हो गई है। ऐसे में ट्रेन के संचालन और ट्रायल को फिलहाल टालना पड़ा। तकनीकी टीम ने खराबी को दुरुस्त करने का काम शुरू कर दिया है लेकिन इसमें कुछ समय लग सकता है। वहीं,हाइड्रोजन ट्रेन फिलहाल दिल्ली में है जहां ट्रेन की मरम्मत की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार जैसे ही सीआरएस (कमिश्नर ऑफ रेलवे सेफ्टी) का दौरा फाइनल होगा उसके बाद ट्रेन को वापस जींद लाया जाएगा
और आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। सीआरएस की मंजूरी के बाद ही ट्रेन के नियमित संचालन का रास्ता साफ होगा। हाइड्रोजन ट्रेन परियोजना को लेकर सभी आवश्यक मानकों का नि पालन किया जा रहा है। तकनीकी क खामियों को दूर कर ट्रायल को सफल स बनाने के प्रयास जारी हैं।

कुरुक्षेत्र में धान खरीद में बड़ा फजीर्वाड़ा, फूड इंस्पेक्टर की आईडी से काटे गए फर्जी गेट पास

कुरुक्षेत्र : हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले में धान घोटाले को लेकर बड़ी कार्रवाई सामने आई है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग (DFSC) की जांच के बाद पहली FIR दर्ज की गई है। जांच में एक राइस मिल से 24,318.75 क्विंटल धान कम पाया गया, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 5.81 करोड़ रुपये बताई जा रही है। मामले के अनुसार DFSC इंस्पेक्टर रिंकू कुमार ने थाना सिटी पिहोवा में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में बताया गया कि 2025-26 सीजन के दौरान मिल को कस्टम मिलिंग के लिए 39,373.75 क्विंटल धान आवंटित किया गया था। 25 नवंबर 2025 को चंडीगढ़ की टीम द्वारा स्टॉक चेकिंग के दौरान सब कुछ सामान्य पाया गया था, लेकिन करीब चार महीने बाद 17 मार्च को दोबारा फिजिकल वेरिफिकेशन में भारी कमी सामने आई। जांच में खुलासा हुआ कि यह धान सीएमआर (कस्टम मिल्ड राइस) के रूप में FCI को सौंपा जाना था। स्टॉक में कमी मिलने के बाद DFSC कार्यालय के आदेश पर पुलिस कार्रवाई शुरू की गई और FIR दर्ज की गई।

राइस मिलर्स में मचा हड़कंप

इस कार्रवाई के बाद जिले के राइस मिलर्स में हड़कंप मच गया है। अधिकारियों की सख्ती के चलते

अन्य मिलों में भी जांच और छापेमारी की आशंका बढ़ गई है। मिलर्स को अपने-अपने स्टॉक की जांच का डर सता रहा है। फर्जी गेट पास से घोटाले का आरोपकिसान नेता प्रिंस बड़ैच ने आरोप लगाया है कि इस पूरे घोटाले में कुछ अधिकारियों और मिलर्स की मिलीभगत हो सकती है। उनका कहना है कि फर्जी गेट पास के जरिए धान की हेराफेरी की गई। मामले की

हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले में धान घोटाले को लेकर बड़ी कार्रवाई सामने आई है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग (DFSC) की जांच के बाद पहली FIR दर्ज की गई है।

उच्च स्तरीय जांच की मांग की गई है। 6 सेक्रेटरी किए गए थे चार्जशीट करीब तीन महीने पहले ही जिले की 6 मार्केट कमेटियों के सेक्रेटरी को चार्जशीट किया गया था। इन पर आरोप था कि उन्होंने मिलर्स को गेट पास जारी करने के लिए अपनी आईडी और पासवर्ड उपलब्ध कराए। 5 हजार करोड़ घोटाले के भी लगे आरोप

वहीं, भारतीय किसान यूनियन (चढ़ूनी) के प्रवक्ता राकेश बैंस ने प्रदेश में करीब 5 हजार करोड़ रुपये के धान घोटाले के आरोप लगाए हैं और मामले की उच्च जांच की मांग की है। उनका दावा है कि हजारों करोड़ के घोटाले के सबूत सरकार तक पहुंच चुके हैं।

रेलवे ट्रैक पर मिला युवक का शव, ट्रेन की चपेट में आने से मौत, माथे पर गहरी चोट

कुरुक्षेत्र : कुरुक्षेत्र जिले के शाहाबाद क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पर एक अज्ञात युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। प्रारंभिक जांच में युवक की मौत ट्रेन की चपेट में आने से होने की आशंका जताई जा रही है। सूचना मिलने पर राजकीय रेलवे पुलिस (GRP) मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार धीरपुर और डोडा खेड़ी रेलवे स्टेशन के बीच रेलवे ट्रैक पर एक युवक का शव पड़ा मिला। मृतक के माथे पर गहरी चोट का निशान पाया गया है। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में लोगों से पूछताछ भी की, लेकिन फिलहाल युवक की पहचान नहीं हो सकी है। GRP कुरुक्षेत्र में तैनात एएसआई विकास कुमार ने बताया कि शव किलोमीटर 163 के पास अप-डाउन रेलवे ट्रैक

के बीच बरामद हुआ। स्टेशन मास्टर की ओर से ट्रैक पर शव पड़े होने की सूचना दी गई थी, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। शुरूआती जांच में मामला ट्रेन की चपेट में आने का लग रहा है। मृतक की उम्र लगभग 25 से 30 वर्ष के बीच बताई जा रही है। उसका रंग सांवला और चेहरा लंबा बताया गया है। शरीर पर किसी प्रकार का टैटू या अन्य पहचान का निशान नहीं मिला है। युवक के पास से कोई पहचान पत्र या दस्तावेज भी बरामद नहीं हुआ।

पुलिस के अनुसार युवक ने जामुनी रंग की टी-शर्ट पहन रखी थी, जिसके कॉलर पर अंग्रेजी में "ALLEN JOHN" लिखा हुआ था। नीचे काले रंग की पैंट थी, लेकिन हादसे के कारण दोनों कपड़े काफी हद तक कट-फट गए हैं। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और आसपास के थानों से भी संपर्क कर युवक की पहचान कराने की कोशिश की जा रही है।

खाना खाने के बाद सैर पर निकला व्यक्ति नहीं लौटा घर, यूं खींच ले गई मौत...2 बच्चों का पिता था मृतक

कुरुक्षेत्र : कुरुक्षेत्र जिले के अमीन गांव में तेज रफ्तार ऑल्टो कार की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक रात को खाना खाने के बाद सैर करने के लिए घर से निकला था। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने कार नंबर के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान अमीन गांव निवासी नरेंद्र कुमार (37) के रूप में हुई है, जो खेती-बाड़ी का काम करता था। नरेंद्र अपने पीछे पत्नी, एक बेटी और एक बेटे को छोड़ गया है। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

सैर करने निकले थे तीनों भूपेंद्र चौहान निवासी अमीन ने बताया कि वह करनाल के कर्ण स्टेडियम में कोच के पद पर कार्यरत हैं। बुधवार रात को खाना खाने के बाद वह अपने पड़ोसी संजीव कुमार और चचेरे भाई

नरेंद्र कुमार चौहान के साथ गांव के पास इशाकपुर रोड पर सैर करने के लिए निकले थे। नरेंद्र सबसे आगे चल रहा था, जबकि वे दोनों उससे थोड़ा पीछे आपस में बातचीत करते हुए आ रहे थे। रात करीब 10:30 बजे सफेद रंग की एक ऑल्टो कार तेज रफ्तार में आई और उन्हें क्रॉस करते हुए आगे चल रहे नरेंद्र कुमार को सीधी टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही नरेंद्र सड़क पर गिर पड़ा और उसके सिर तथा दोनों घुटनों पर गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद साथियों ने तुरंत नरेंद्र को संभाला और इलाज के लिए एलएनजेपी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद आरोपी चालक कार लेकर मौके से फरार हो गया। थाना केयूके पुलिस ने कार नंबर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी की तलाश की जा रही है।

बस में यमराज से मिले राहुल गांधी! अनिल विज का हास्य अंदाज में तंज

अंबाला : कल देर शाम चंडीगढ़ भाजपा कार्यालय के बाहर ब्लास्ट हुआ था जिसके बाद पूरे इलाके को सील कर दिया गया। इस बारे में जब हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज से बात की गई तो उन्होंने बताया कि पुलिस इस मामले में कार्रवाई कर रही है और आरोपियों की पहचान की जा रही है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बता दें कि सोशल मीडिया पर राहुल गांधी की एक वीडियो लगातार वायरल हो रही है जिसमें वे बस में यमराज के बेस में व्यक्ति से मिलते है और यमराज उन्हें बोलता है कि राहुल गांधी ने उनका काम छीन लिया जिस पर हास्य अंदाज में कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि राहुल गांधी रोज भेष बदल बदल कर सामने आते

है, शायद उन्हीं से प्रेरणा लेकर ये व्यक्ति यमराज बन कर आया होगा। वहीं देश में कल से डिजिटल जनगणना की शुरूआत हो चुकी है जिसको लेकर कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि यह एक बहुत ही अच्छी चीज की शुरूआत हुई है। इससे हमारा पूरा डाटा हमारे पास होगा।

पहले घरों की फिर लोगों की जनगणना की जाएगी, जिससे एक सही डाटा मिलेगा।

जुलाना में आढ़तियों व किसानों ने कल से मंडी बंद रखने का किया ऐलान, नए नियमों के विरोध में लिया फैसला

जुलाना : जुलाना कस्बे की नई अनाज मंडी में आढ़तियों और किसानों की एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें सरकार द्वारा लागू किए जा रहे नए नियमों का जमकर विरोध किया गया। बैठक की अध्यक्षता आढ़ती एसोसिएशन के प्रधान पवन लाठर ने की। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि विरोध स्वरूप कल से मंडी बंद रखी जाएगी और फसलों की खरीद पूरी तरह से ठप रहेगी। बैठक को संबोधित करते हुए पवन लाठर ने कहा कि सरकार किसानों और आढ़तियों के हितों की अनदेखी कर लगातार ऐसे फैसले ले रही है, जो उनके लिए परेशानी का कारण बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर रोज नए-नए नियम लागू किए जा रहे हैं, जिससे मंडी व्यवस्था प्रभावित हो रही है। इस बार सरकार द्वारा फसल बेचने आने वाले किसानों के ट्रैक्टर पर नंबर प्लेट और बायोमीट्रिक

प्रणाली को अनिवार्य किया गया है, जिसे आढ़तियों और किसानों ने अव्यवहारिक बताया। उन्होंने आगे कहा कि मंडी को सुबह 6 बजे से शाम 8 बजे तक ही खोलने के आदेश भी पूरी तरह से गलत हैं। किसान अक्सर रात के समय खेतों में कंबाइन से फसल कटाई करते हैं, ऐसे में उन्हें अपनी फसल मंडी तक लाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। आढ़तियों ने इन आदेशों को तुगलकी फरमानह्न बताते हुए तुरंत वापस लेने की मांग की। बैठक में मौजूद किसानों ने भी अपनी समस्याएं रखते हुए कहा कि सरकार के ये नियम उनके कामकाज में बाधा डाल रहे हैं। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द ही इन नियमों को वापस नहीं लिया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

'अभी-अभी विधायक बने हैं, थोड़ी गरमाई है, कुछ दिनों में ठंडा हो जाएगा', दिग्विजय चौटाला ने अर्जुन चौटाला पर कसा तंज

बहादुरगढ़ (प्रवीण कुमार) : जननायक जनता पार्टी के युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला ने इनेलो विधायक अर्जुन चौटाला पर तंज कसा है। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि अर्जुन अभी बच्चा है और उनका प्यारा भाई है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि वे अभी अभी विधायक बने हैं। अभी थोड़ी गरमाई है, कुछ दिनों में वह ठंडा हो जाएगा। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि उसके साथ नया नया मुल्ला अल्लाह-अल्लाह पुकारे जैसी स्थिति है। दरअसल इनेलो विधायक अर्जुन चौटाला ने किसानों को मंडियों में गेटपास सम्बंधित समस्या आने पर जेजेपी पर निशाना साधते हुए कहा था कि जेजेपी नेता अनाज मंडियों में नहीं जा सकते। जेजेपी ने पिछले कार्यकाल में भाजपा को अपना समर्थन दिया था, जिसके चलते यह स्थित उत्पन्न हुई है।

दिग्विजय चौटाला बहादुरगढ़ के लोवा कलां सिदिपुर गांव में हनुमान जयंती के मौके पर आयोजित 64वें देशव्यापी भंडारे में शिरकत करने

पहुंचे थे। यह देशव्यापी भंडारा लोवा सत्रह खाप के पूर्व प्रधान स्वर्गीय श्रीचंद मान परिवार द्वारा हर वर्ष आयोजित किया जाता है। इस भंडारे में सत्ताधारी भाजपा पार्टी के अलावा अन्य पार्टियों के नेताओं के साथ समाजिक हस्तियों और लाखों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। जेजेपी नेता दिग्विजय चौटाला ने हनुमान जयंती के अवसर पर प्रदेश वासियों को शुभकामनाएं भी दी। इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए दिग्विजय चौटाला ने दावा किया कि जेजेपी पार्टी तेजी से दोबारा अपने पैरों पर खड़ी हो रही है और बाबा बजरंगबली का आशीर्वाद पार्टी पर बरसेगा। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि गेहूं खरीद का नया कानून किसानों को बर्बाद करने के लिए लाया गया है। साथ ही उन्होंने ऐलान किया कि 5 अप्रैल के बाद जजपा का हर कार्यकर्ता मंडियों में जाकर किसानों के साथ खड़ा होगा।प्रदेश भर में जमीन के कलेक्टर रेट बढ़ाने के फैसले पर भी उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया दी। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि इससे आम लोगों को काफी परेशानी हो रही है।

डायबिटीज के मरीजों को गन्ने का जूस पीना चाहिए या नहीं ?

गर्मी से राहत के लिए अलग-अलग तरह के पेय का सेवन करते हैं ताकि गर्मी के प्रकोप से बच सकें। वहीं गर्मी के दिनों में गन्ने के जूस का सबसे अधिक सेवन किया जाता है। इसके सेवन करते ही गर्मी की थकान दूर हो जाती है। एकदम रिफ्रेशमेंट जैसा महसूस होता है। वहीं इसका सेवन करने से लीवर, ब्लड प्रेशर और इम्यून सिस्टम तीनों के लिए ही फायदेमंद होता है। इसमें कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। जैसे कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन, पोटेशियम और फास्फोरस जैसे जरूरी तत्व पाए जाते हैं। जिससे हड्डियां भी मजबूत होती है। यह प्राकृतिक रूप से मीठा होता है। लेकिन सवाल उठता है कि क्या डायबिटीज के मरीज इसे पी सकते हैं?

गन्ने के रस में भले ही प्राकृतिक शुगर होती है लेकिन शुगर की मात्रा बहुत अधिक होती है। जिसके चलते डायबिटीज के मरीजों को दिक्कत हो सकती है। दरअसल, गन्ने का रस बिना किसी तरह से रिफाइंड करके निकाला जाता है। इसलिए हाई शुगर भी बहुत ज्यादा होती है। इसलिए डायबिटीज के मरीजों को गन्ने के रस का सेवन नहीं करना चाहिए। गन्ने के रस में ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है और अधिक मात्रा में ग्लाइसेमिक लोड होता है। इसका मतलब है कि यह आपके ब्लड शुगर लेवल को इफेक्ट करता है।

गन्ने के जूस के फायदे

- एनर्जी मिलती है।
- पाचन क्रिया को ठीक करता है।
- दांतों को मजबूत करता है।
- संक्रमण से बचाव में मदद करता है।

अनिद्रा और माइग्रेन की समस्या से चाहते हैं निजात, तो पीजिए हल्दी वाला दूध

आयुर्वेद चिकित्सा में हल्दी को रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला सबसे असरकार माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार दूध के साथ हल्दी का सेवन करना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। बच्चों और बुजुर्गों को तो अक्सर हल्दी वाला दूध पीने की सलाह दी जाती है। बहुत सी ऐसी बीमारियां हैं जिनमें हल्दी वाला दूध रात को पीने से काफी आराम मिलता है। कहा जाता है जो व्यक्ति अनिद्रा का रोगी हो और जिसके माइग्रेन की बीमारी हो उसे हल्दी वाला दूध अवश्य पीना चाहिए।

माइग्रेन व अनिद्रा में मिलता है आराम

अगर आपको माइग्रेन की शिकायत है तो रोज रात को सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने की आदत डाल लें। माइग्रेन की परेशानी में दूध हल्दी पीने से बहुत लाभ मिलता है। इससे अच्छी नींद भी आती है। आपकी नींद पूरी नहीं हो पा रही है। रात को अक्सर आपकी नींद टूट जाती है और फिर देर तक नहीं आती है तो हल्दी वाला दूध पीकर सोना शुरू कर दें। गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने से नींद नहीं आने की शिकायत दूर होती है।

गैस की परेशानी से भी मिलती है राहत

गैस और कब्ज की परेशानी में भी हल्दी दूध पीने से आराम मिलता है। दूध नॉर्मल टेम्प्रेचर का होना चाहिए ज्यादा गर्म नहीं। रोज रात को हल्दी वाले दूध में 2-3 दाने चीनी या मिश्री के डालकर सोएं। कुछ ही दिनों में कब्ज और गैस की परेशानी से राहत मिल जाएगी।

बढ़ती है बच्चों की इम्युनिटी

हल्दी को इम्युनिटी बढ़ाने के लिए बहुत गुणकारी माना जाता है। बच्चों को अक्सर ही मौसम बदलने पर सर्दी-खांसी जैसी परेशानी हो जाती है। रात में सोने से पहले बच्चों को हल्दी वाला दूध पिलाएं, इससे बदलते मौसम में भी उनकी इम्युनिटी मजबूत होती है।

चोट पर है असरकारक

बच्चों को खेलने-कूदने में अक्सर चोट लग जाती है या बहुत थक जाने पर पैरों में, शरीर में दर्द होता है। रात को सोते समय बच्चों को हल्दी वाला दूध पीना चाहिए। इससे चोटों से आराम मिलता है। हल्दी में रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है और इसका सेवन सबके लिए ही फायदेमंद है।

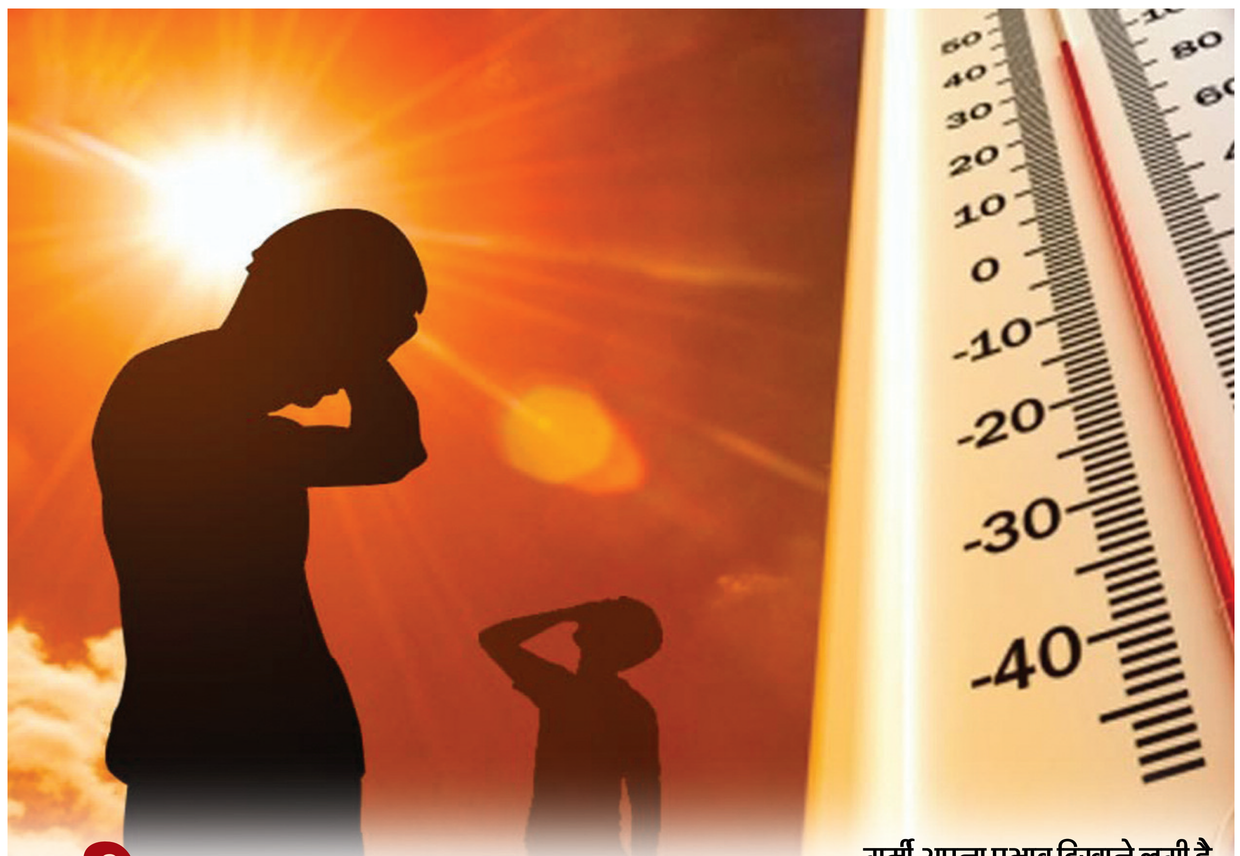

बीमार न कर दे ये गर्मी

गर्मी अपना प्रभाव दिखाने लगी है और लोगों का हाल बेहाल होने लगा है। गर्मियों के मौसम में जाने अंजान में कई गलतियां, या फिर हमारी जरा सी लापरवाही भी हमें बीमार कर सकती है। गर्मियों के दौरान अक्सर लोगों के शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या हो जाती है। इस तपती गर्मी में कई लोगों को लू लग जाती है, कई लोग बुखार की चपेट में तो कई लोगों को पेशाब में जलन, दस्त, उल्टियां, बेहोश होना और नाक से खून निकलने जैसी समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में अधिकांश लोग डॉक्टर और अस्पताल के चक्कर लगाने लगते हैं।आज हम बताएंगे कि गर्मी अपने आपको स्वस्थ कैसे रखें, आइए जानते है।

नाक से खून आना

गर्मियों में अक्सर बच्चों के नाक से खून आने की समस्या होने लगती है। ऐसे में लाल भाजी की जड़ों के रस की दो-दो बूंदे नाक में टपकाने की सलाह देते हैं। ऐसा तीन दिन तक लगातार दिन में दो बार किए जाने से आराम मिलता है। वहीं इसके अलावा धनिया की ताजी पत्तियों के रस में थोड़ा कपूर मिलाकर इस मिश्रण की 2-2 बूंदे नाक में टपकाने की सलाह देते हैं।

लू लग जाए तो करें ऐसा

भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के कारण अगर लू लग जाए तो लू लगने पर पीड़ित व्यक्ति के हाथ, पैर और तलुओं में कच्चे प्याज का रस लगाया जाता है। कहा जाता है कि इस नुस्खे को आजमाने पर लू से तुरंत आराम मिलता है। लू लग जाए तो कमरख नाम के फल का रस इससे निजात दिलाने में काफी काम आता है। इस रस में चीनी मिलाकर दिन में दो बार पीना चाहिए। इसके अलावा करौंदे का जूस भी लू से निजात दिलाने के लिए बेहतर विकल्प माना जाता है। करीब 250 मिली करौंदा जूस में शक्कर और इलायची मिलाकर दिन में 3 बार पीने से लू का असर कम होता है। बथुआ को पीसकर इसका लेप तैयार करके लू ग्रस्त व्यक्ति के पैरों के तलुओं और हथेली पर लगाने से लू में काफी तेजी से आराम मिलता है। लू के उपचार के लिए टमाटर को भी उत्तम माना जाता है। टमाटर में नमक और शक्कर मिलाकर इसे उबाल लेना चाहिए। ठंडा हो जाने पर लू ग्रस्त व्यक्ति को दिन में 2 बार पिलाना चाहिए।

गर्मियों में जब पड़ जाएं बीमार

भीषण गर्मी में लू लग जाने पर तेजी से बुखार आने लगता है। ऐसे में कच्चे नारियल का पानी पिलाना चाहिए। सुबह-शाम तीन दिनों तक कच्चे नारियल का पानी पीने से लू, बुखार और कमजोरी दूर होती है।
गर्मी के चलते बुखार आ जाने पर बेल के फलों का जूस बेहद काम आता है। बेल के जूस में शक्कर और इलायची मिलाकर पीड़ित को देने से तुरंत आराम मिलता है।

कमजोरी व थकान होने पर

गर्मियों में थकान और कमजोरी महसूस होना बेहद आम बात है। ऐसे में पके पपीते का सेवन करना बेहद फायदेमंद माना जाता है। पपीते के जूस को पीने से शरीर में ताजगी और स्फूर्ति आती है। चिलचिलाती गर्मी में यह शरीर के तापमान को नियंत्रित करता है।

दस्त और उल्टी होने पर

गर्मियों में कई लोगों को दस्त और उल्टी की समस्या होना आम बात है। ऐसे में आंवले को उबालकर इसे मैश कर लेना चाहिए। फिर इसके बीजों को अलग कर लें और आंवले में शक्कर या शहद मिला लें। इस मिश्रण में से 5 ग्राम हर रोज 4-5 बार लें। इससे दस्त और उल्टी में तेजी से फायदा होगा। इसके अलावा पानी की कमी को पूरा करने के लिए नींबू पानी, केला और दाल चावल से बनी खिचडी खाने से आराम मिलता है।

बिना एक्सरसाइज डांस के साथ करें वेट लॉस

क्या आपको लगता है कि वजन कम करने के लिए आपको उबला हुआ खाना खाना पड़ेगा या घंटों वर्कआउट करना पड़ेगा? जी नहीं, ऐसा बिल्कुल नहीं है। आप चाहें तो डांस करके भी वजन कम कर सकती हैं। यहां हैं कुछ ऐसे अमेजिंग डांस, जो आपकी वेट लॉस जर्नी को आसान बना सकते हैं।

डांसिंग एक बेहतरीन कार्डियो वर्कआउट है जो स्टैमिना बढ़ाता है और फैट बर्न करने में मदद करता है। डांस की उपयोगिता के कारण ही डांस से जुड़े कई फिटनेस सेंटर खुल रहे हैं। एरोबिक्स, जुम्बा और साल्सा डांस वर्कआउट के कुछ प्रमुख रूप हैं। डांस की सबसे अच्छी बात यह होती है कि यह फुल बॉडी वर्कआउट होने के बावजूद उबाऊ नहीं लगता और यह आपको खुश रखता है। यही नहीं, डांस सभी मांसपेशियों को फ्लेक्सिबल बनाता है। कई रिसर्च बताती हैं कि डांस करने से डोपामाइन हॉर्मोन बनता है जो हमारा मूड अच्छा रखता है और स्ट्रेस कम करता है। जब आप जान गए हैं कि डांस सेहत के लिए कितना फायदेमंद है, तो यह भी जान लेते हैं कि आप इसको अपने रूटीन में कैसे शामिल कर सकती हैं।

जुम्बा

जुम्बा डांस कार्डयो सबसे प्रचलित वर्कआउट फॉर्म है और यह लगातार बढ़ रहा है। जुम्बा लैटिन डांस स्टाइल और एरोबिक्स का मिक्स है जिसमें बहुत ऊर्जा की जरूरत होती है। जुम्बा में एक ही समय पर कई मसल्स ग्रुप काम करते हैं और यह हर ऐज के लिए परफेक्ट है। यह लगातार एक फन वर्कआउट के रूप में लोकप्रिय हो रहा है। एक घन्टे के जुम्बा सेशन में आप 500 से 800 कैलोरी बर्न करती हैं।

हिप हॉप

हिपहॉप एक एडवांस डांस फॉर्म के रूप में लोकप्रिय है। इस डांस स्टाइल के लिए बहुत स्टैमिना और ताकत की जरूरत होती है और यही कारण है कि यह वजन कम करने का बेहतरीन तरीका है। लेकिन, हिपहॉप के लिए आपको फिट होना चाहिए वरना आप हिपहॉप कर ही नहीं पाएंगे।

साल्सा

हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड तक, साल्सा को एक रोमांटिक डांस फॉर्म की तरह पॉपुलर किया गया है। हालांकि साल्सा रोमांटिक है और कपल के बीच ही होता, लेकिन इस डांस फॉर्म में बहुत एनर्जी की जरूरत होती है। यह एक बेहतरीन वर्कआउट है जो कैलोरी बर्न करता है और इस दौरान आप और आपके पार्टनर के बीच बॉन्डिंग भी बढ़ जाती है। कपल्स के लिए साल्सा एक अच्छी एक्टिविटी है जहां वे साथ में फिट भी हो सकते हैं और क्वालिटी टाइम भी बिता सकते हैं।

बॉलीवुड

जब बात आती है डांस वर्कआउट की तो बॉलीवुड स्टाइल सबसे कारगर होता है। हम सभी बचपन से बॉलीवुड डांस देखते आये हैं और उसे एन्जॉय करते हैं। साथ ही इसकी बीट्स इतनी मोहक होती हैं कि आप खुद को नाचने से रोक नहीं पाते। यह एक बेहतरीन कार्डियो है और फैट बर्न करने में कारगर है। साथ ही आप इसको दिल से एन्जॉय भी करते हैं।

यह भी जानें

डांस वर्कआउट यहीं तक सीमित नहीं है। फ्रीस्टाइल डांसिंग से लेकर बेली डांस तक कई अन्य डांस हैं जो आपको फिट रखते हैं। नियमित रूप से डांस करने से आप फिट होते हैं, स्टैमिना बढ़ता है और शरीर लचीला बनता है। साथ ही यह फिटनेस शारीरिक फिटनेस तक सीमित नहीं है। डांस से आपका मानसिक स्वास्थ्य भी सुधरता है क्योंकि डांस करने से तनाव कम होता है और मूड अच्छा होता है।

क्या आप अपने रोजाना पानी पीने का हिसाब रखते हैं ?

पृथ्वी का 70 प्रतिशत हिस्सा पानी से घिरा है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि यह 70 प्रतिशत पानी पीने के लिए योग्य है। भारत जहां डिजिटलीकरण की ओर से तेज रफ्तार से बढ़ रहा है। वहीं 50 प्रतिशत से ज्यादा घरेलू स्थान अभी भी पीने के लिए अपने पानी को उबालने पर निर्भर हैं। आपका शरीर 70 प्रतिशत पानी है और यह पानी पेशाब और पसीने आदि के माध्यम से अपने शरीर में मौजूद गंदगी को बाहर निकालने में मदद करता है। कहा जाता है कि दिन में आठ गिलास पानी पीना स्वास्थ्य के लिए जरुरी है। पानी शरीर के लिए बहुत जरूरी है। अधिक पानी पीने से कई तरह की बीमारियों से छुटकारा मिलता है। अफसोस की बात है कि लोग प्यास लगने पर ही पानी का सेवन करते हैं, जो शरीर में पानी की कमी को बढ़ाता है।

एनर्जी लेवल को बनाए रखता है

आप विशेष रूप से गर्मियों में एनर्जी लेवल में कमी महसूस करते हैं। इन सबसे निजात पाने का आसान तरीका अधिक पानी पीना है। ऐसा करने से आप अपने दिन को अतिरिक्त शक्ति और ऊर्जा के साथ जी पाएंगे।

डिहाइड्रेशन में मदद करता है

पानी की कमी से मस्तिष्क पर बुरा असर पड़ता है। जब आपका मस्तिष्क थका हुआ होता है, तो आपकी मांसपेशियां जवाब देने लगती है। आपकी आंखें थक जाती हैं। आपके मस्तिष्क में महत्वपूर्ण कार्यों को करने की ऊर्जा नहीं होती। आप चाहते हुए भी काम पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते। इसलिए इससे बचने के लिए, भरपूर पानी पीना चाहिए। आप ड्रिंक-वॉटर ऐप का उपयोग कर इस बात का पता लगा सकते है कि आपने दिनभर में कितने लीटर पानी पिया है।

मूड को फ्रेश रखने में मदद करता है

जब आपको प्यास लगती है, तो आप अत्यधिक चिड़चिड़े होने लगते है। एक गिलास पानी पीने से आप बेहतर महसूस करने लगते है और मूड भी ठीक रहता है।

स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है पोदीना

पौदिने में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते है। पौदिने की पत्तियों में मिंथॉल व एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं।

गर्मी के दिनों में पौदिना को भी लोग खूब पसंद करते है। पौदिने का प्रयोग हम किसी सब्जी को स्वादिष्ट बनाने और चटनी में बनाने में लेते है। पौदिने में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते है। पौदिने की पत्तियों में मिंथॉल व एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। गर्मियों के दिनों में स्कीन से जुड़ी कई परेशानियां होती है। आज हम पौदिने के सेवन से होने वाले शारीरिक लाभों के बारें में बताने जा रहे हैं, तो आइए जानते हैं।

कील मुंहासे में फायदेमंद

पौदिना चेहरे के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अगर आपकी तैलीय त्वचा हैं आप पौदिने की पत्तियों को पीसकर चेहरे पर लगाओंगे तो आपके चेहरे के लिए काफी फायदेमंद होगी।

मुंह की बदबू के लिए फायदेमंद

कई लोग मुंह की बदबू के कारण काफी परेशान रहते है। ऐसे व्यक्तियों के लिए पौदिना काफी फायदेमंद हो सकता है। अगर आपके मुंह में बदबू आती हैं तो आपको पौदिना की पत्तियों का सेवन करना चाहिए।

पाचनतंत्र के लिए फायदेमंद

पौदिना हमारी पेट से संबंधित बीमारी के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अगर आप पेट की समस्या से पीड़ित हो तो आपको प्रतिदिन पौदिने की पत्तियों का सेवन करना चाहिए।

पीरियड में फायदेमंद

कई महिलाएं अपने मासिक धर्म से काफी परेशान रहती हैं क्योंकि उनका मासिक धर्म समय पर नहीं आता है। जिस कारण वो काफी तनाव में रहती है। लेकिन अगर आप प्रतिदिन पौदिने का सेवन करेंगे तो ये महिलाओं के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। महिलाएं पौदिने की पत्तियां सूखाकर उनका चूर्ण बनाकर शहद के साथ सेवन करेंगी तो शानदार इस बीमारी से फायदा मिलेगा।

सिद्धांत चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया पर बढ़ते दबाव पर की बात

सिद्धांत चतुर्वेदी ने अपने छोटे से करियर में अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। यही कारण है कि उनकी गिनती इंडस्ट्री के उभरते हुए सितारों में होती है। असल जिंदगी में काफी ग्राउंडेड नजर आने वाले सिद्धांत चतुर्वेदी ने अब सोशल मीडिया पर फैशन के बढ़ते दबाव के बारे में खुलकर बात की है। साथ ही उन्होंने अपने लक्ष्य को लेकर भी बताया।

मेरी फिल्मों में ही होती है फैशन

बातचीत में सिद्धांत चतुर्वेदी स्पष्ट तौर पर कहा कि मेरी पहली पहचान एक अभिनेता के रूप में है, न कि फैशन आइकन के रूप में। एक्टर ने कहा कि मैं एक अभिनेता बनने आया हूं, मुझे वह अवसर मिला और आज मैं एक अभिनेता हूं। यही मेरे लिए सबसे बड़ी बात है। फैशन की बात करें तो, यह सब मेरी फिल्मों में ही है, मतलब वे हमें अच्छे कपड़े पहनाते हैं। मेरा मानना है कि सबका अपना-अपना फैशन होता है। मुझे साधारण रहना ज्यादा पसंद है। फैशन को किसी पर थोपना नहीं चाहिए।

बेफिक्र इंसान होता है सबसे ज्यादा फैशनेबल

फैशन को लेकर अपना दृष्टिकोण साझा करते हुए सिद्धांत ने कहा कि मुझे लगता है कि सबसे फैशनेबल व्यक्ति वह है, जो ज्यादा नहीं सोचता, थोड़ा बेफिक्र और बिंदास होता है। आखिरकार किसी के व्यक्तित्व को देखकर उसका स्वैग अपने आप झलक जाता है। अगर आप ज्यादा सोचते हैं, तो आप दूसरों जैसा बनने की कोशिश कर रहे होते हैं, मुझे ऐसा लगता है।

इस बायोपिक में नजर आएंगे सिद्धांत

सिद्धांत चतुर्वेदी के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता आखिरी बार इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'दो दीवाने सहर में' में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके साथ मृणाल ठाकुर प्रमुख भूमिका में थीं। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की मिली-जुली प्रतिक्रिया ही हासिल हुई थी। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं दिखा पाई थी। उनकी आगामी फिल्मों में 'वी. शांताराम' शामिल है। यह दिग्गज फिल्ममेकर वी. शांताराम की बायोपिक है। इसमें उनके साथ तमन्ना भाटिया प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी।

आरती छाबड़िया ने बॉलीवुड की राजनीति पर किए खुलासे

अभिनेत्री आरती छाबड़िया काफी समय से लाइमलाइट से दूर हैं। उनकी आखिरी प्रमुख भूमिका 2010 में आई फिल्म 'मिलेंगे मिलेंगे' में थी। अब वह बॉलीवुड में वापसी करने की तैयारी में हैं। हालांकि, आरती का ऐसा कहना है कि वो अपने करियर में कई बार बॉलीवुड में होने वाली राजनीति का शिकार हुई हैं। जिसके चलते कभी उनका रोल कट गया, तो कभी उनका पूरा गाना ही फिल्म से हटा दिया गया।

इंडस्ट्री में होती है काफी पॉलिटिक्स

अल्फाटॉक के साथ एक हालिया पॉडकास्ट में आरती छाबड़िया ने इंडस्ट्री की पॉलिटिक्स के कारण अपने पेशेवर जीवन में आई बाधाओं के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि 'पार्टनर', 'शूटआउट एट लोखंडवाला', 'मिलेंगे मिलेंगे' और अन्य फिल्मों में उनके कई सीन काट दिए गए थे। इंडस्ट्री की पॉलिटिक्स को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि कई बार मेरे रोल काट दिए गए या कम कर दिए गए। टाइटल रोल निभाने के बावजूद, ऐसा लगता था जैसे मैं फिल्म में दिख ही नहीं रही। कई फिल्में ऐसी थीं, जिनमें मेरे सीन काट दिए गए और गाने शूट होने के बाद हटा दिए गए।

'मिलेंगे मिलेंगे' में शाहिद कपूर के साथ मेरा पूरा गाना था, लेकिन उसे काट दिया गया। बोनी उस फिल्म के प्रोड्यूसर थे और सतीश कौशिक ने डायरेक्ट किया था। आपको पता नहीं होता कि ये फैसले क्यों लिए जाते हैं। हम कलाकार हमेशा प्रोड्यूसर के फैसले का सम्मान करते हैं और हमें कोई पछतावा नहीं है।

कई फिल्मों में काटे गए मेरे रोल्स

अभिनेत्री ने आगे कहा कि सिर्फ एक ही फिल्म में नहीं, बल्कि कई फिल्मों में मेरे साथ ऐसा ही हुआ है। ऐसी कई फिल्में थीं, जिनमें अलग-अलग कारणों से मेरे रोल काट दिए गए थे। जैसे कि सलमान खान और गोविंदा की 'पार्टनर' में मेरी भूमिका वैसी नहीं थी जैसी तय की गई थी। यह एक कैमियो रोल था, लेकिन फाइनल कट में शामिल किए गए रोल से बड़ा था। अच्छी बात यह है कि फिल्म हिट रही। मुझे कोई अफसोस नहीं है। 'शूटआउट एट लोखंडवाला' और 'आवारा पागल दीवाना' में भी ऐसा ही हुआ। मायने सिर्फ इतना रखता है कि फिल्म ने आखिर में अच्छा प्रदर्शन किया।

मनोज बाजपेयी ने पर्सनैलिटी राइट्स जैसे मुद्दों पर अपनी राय दी

दिल्ली में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2026 का आयोजन हुआ है। इसमें बॉलीवुड के कई सेलेब्स शामिल होने पहुंचे। इस बीच मनोज बाजपेयी भी कार्यक्रम का हिस्सा बने, जहां उन्होंने पर्सनैलिटी राइट्स जैसे मुद्दों पर अपनी राय दी। मीडिया से बातचीत के दौरान मनोज बाजपेयी ने साफ कहा कि अगर कोई उनके काम या उनसे जुड़ी किसी भी चीज का इस्तेमाल करता है, तो उसके लिए उन्हें पैसे मिलने चाहिए। उनका कहना था कि एक कलाकार अपनी पहचान और भरोसा वर्षों की मेहनत से बनाता है, इसलिए उसका इस्तेमाल बिना अनुमति या बिना भुगतान के नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर हमारी चीज कोई यूज करेगा, तो उसके पैसे हमें मिलने चाहिए। मैं 32 साल से काम कर रहा हूं, और इस दौरान जो पहचान बनाई है, उसका अगर कोई इस्तेमाल करता है, तो उसे उसके अधिकार के हिसाब से भुगतान करना पड़ेगा।' इस दौरान मनोज बाजपेयी ने ये भी बताया कि वो फेस्टिवल में एक खास 'इन-कन्वर्सेशन' सेशन का हिस्सा बनने वाले हैं, जहां वो अपने लंबे फिल्मी सफर के बारे में बात करेंगे।

रिलीज होने को तैयार है राजकुमार राव-सान्या की फिल्म 'टोस्टर'

अपनी दमदार एक्टिंग से लोगों का दिल जीतने वाले राजकुमार राव अब एक नई फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम है 'टोस्टर' और इसकी रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया गया है। राजकुमार राव की यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज की जाएगी और इसके अनाउंसमेंट के लिए राजकुमार राव ने एक दिलचस्प तरीका अपनाया। मालूम हो कि 'टोस्टर' को राजकुमार की पत्नी और एक्ट्रेस पत्रलेखा ने प्रोड्यूस किया है। 'टोस्टर' का ऐलान साल 2025 में किया गया था, और अब यह फाइनली रिलीज होने को तैयार है। 'टोस्टर' 15 अप्रैल को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। इसमें राजकुमार राव के अलावा सान्या मल्होत्रा, फराह खान, अर्चना पूरन सिंह, अभिषेक बनर्जी और सीमा पहवा जैसे एक्टर्स हैं। यह एक कॉमेडी फिल्म है, जिसे विवेक दास चौधरी ने डायरेक्ट किया है।

'धुरंधर' और 'रामायण' के बाद क्या एसएस राजामौली की 'वाराणसी' दो भागों में होगी रिलीज?

'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' की सफलता के बाद अब फैंस फिल्म 'रामायण' की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म के अलावा एक और फिल्म है, जिसकी रिलीज पर फैंस की निगाहें टिकी हुई हैं। वह फिल्म राजामौली की 'वाराणसी' है। जानिए क्या 'धुरंधर' और 'रामायण' की तरह ही 'वाराणसी' भी दो भागों में बनेगी?

क्या दो भागों में रिलीज होगी 'वाराणसी'?

पहले राजामौली ने 'वाराणसी' को दो भागों में बनाने की खबरों को साफ तौर पर खारिज कर दिया था। लेकिन अब बॉलीवुड हंगामा की एक खबर के अनुसार, फिल्म 'वाराणसी' दो भागों में रिलीज हो सकती है। दरअसल, फिल्म की कहानी इतनी लंबी है कि तीन घंटे से ज्यादा समय में भी पूरी नहीं हो पाएगी। इसलिए इसे दो भागों में बनाने का विचार किया जा रहा है। 'धुरंधर' की तरह 'वाराणसी' भी दो भागों में रिलीज होगी। फिल्म 'वाराणसी' में महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म समय यात्रा पर आधारित है। इसका बजट 1300 करोड़ रुपये से भी ज्यादा बताया जा रहा है। यह भारत की सबसे महंगी फिल्मों में से एक होगी। यह फिल्म 7 अप्रैल 2027 को सिनेमाघरों में रिलज होगी।

'धुरंधर'-'रामायण' और अब 'वाराणसी'

'धुरंधर 2' अब तक बॉक्स ऑफिस पर 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा कमा चुकी है। वहीं राजामौली की आगामी 'रामायण' फिल्म का पहला भाग दिवाली 2026 में और दूसरा भाग दिवाली 2027 में रिलीज होने वाला है। वहीं अब 'वाराणसी' आखिरकार दो भागों में रिलीज होगी या नहीं, इसकी कोई आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं की गई है।

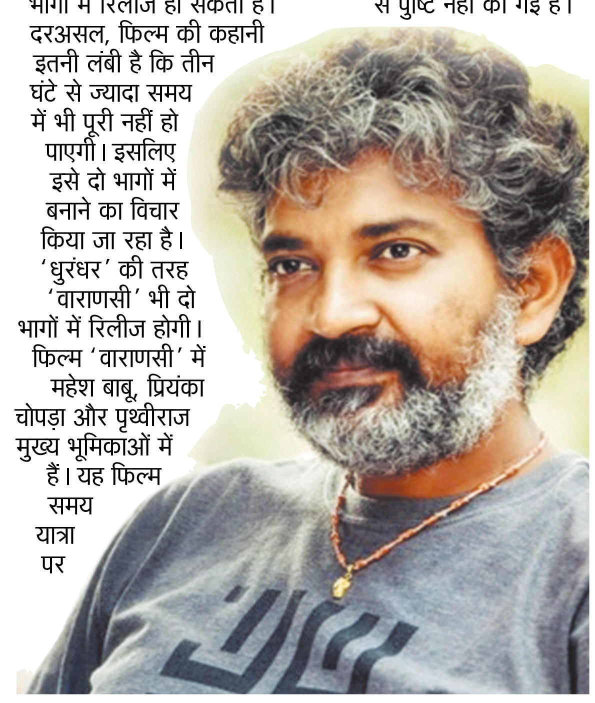

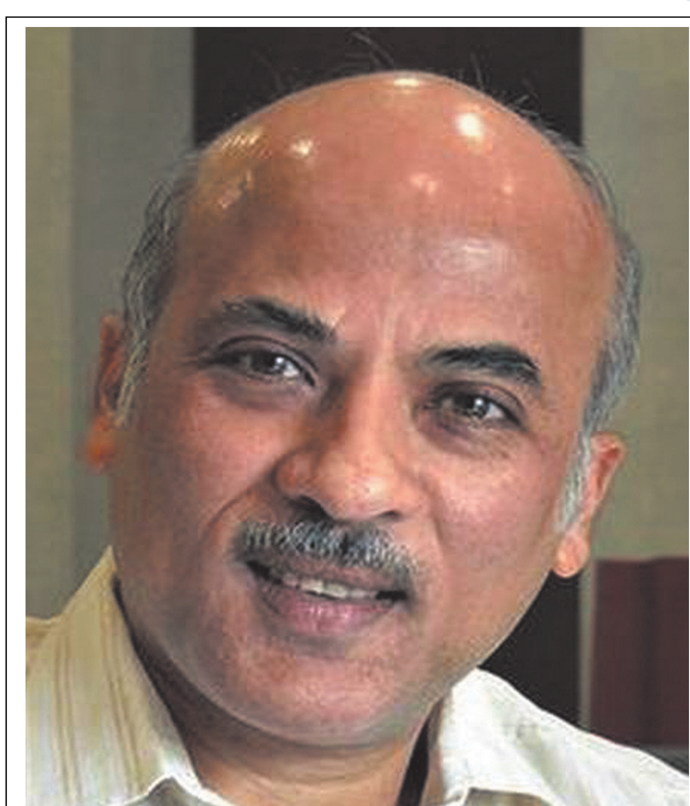

एक्शन फिल्मों के इस दौर में फैमिली फिल्मों को जिंदा रखना चुनौती है

अपने सिनेमा के जरिए संस्कार और परिवार का महत्व बताने वाले फिल्मकार सूरज बड़जात्या हाल ही में अपने नए शो संगमरमर के सिलसिले में हमसे रूबरू हुए। यहां उन्होंने पारिवारिक कहानियां बनाने की अपनी लिगेसी, पुष्पा-धुरंधर जैसी ऐक्शन फिल्मों के इस दौर में फैमिली फिल्मों को जिंदा रखने की चुनौती और अपने चहेते दोस्त सलमान खान को लेकर भी बात की।

आप आज भी परिवार और संस्कार की बातें करने वाले शोज/फिल्में बना रहे हैं। मगर आपको ये भी कहा जाता होगा कि अब तो पुष्पा और धुरंधर जैसी ऐक्शन फिल्मों का दौर है, इन कहानियों से लोग कैसे रिलेट करेंगे?

मैं इस बात को सच नहीं मानता क्योंकि एक पुष्पा चल गई पर पुष्पा जैसी कई ऐक्शन फिल्में नहीं भी चली हैं। वो किसी को याद नहीं रहता। मेरा मानना है कि अगर अच्छी चीज को अच्छी तरह से पेश किया जाए तो हर जॉनर चलेगा। आज जो फायर स्टिक है, वो हर किसी के पास है। बेटे के पास भी है, मां के पास भी है, दादी के पास भी है। वो कहां देखेंगी अपनी पसंद की चीजें तो हर चीज के लिए ऑडियंस है।

आपके शो संगमरमर की कहानी आपकी ही फिल्म एक विवाह ऐसा भी से मिलती-जुलती है, जहां हीरो शादी के बगैर भी हीरोइन की पारिवारिक जिम्मेदारियों में साथ देता है। दोबारा ये कहानी कहना क्यों जरूरी लगा?

ये एक विवाह ऐसा भी से अलग है। ये आज के दौर में है। इनका सफर अलग है। बाकी कहानियां तो वही सात-आठ होती हैं। वही रिश्ते होते हैं, बस कहने का अंदाज अलग होता है और वक्त के हिसाब से माहौल बदल जाता है। इसमें आज का युग है। आज की परिस्थिति है। जैसे, एक उदाहरण देता हूं कि इसमें जो लड़की है, उसे 48 करोड़ कर्ज चुकाने हैं, जबकि उसे बिजनेस का कुछ पता नहीं है। काम पर कोई उसको सीरियसली लेता नहीं क्योंकि सबको भैया बोलती है। फिर अपने नेचर के विपरीत उसे चिल्लाना पड़ता है वो आज के वर्कप्लेस की मांग है। आपको बताऊं कि जब मैं असिस्टेंट था तो सेट पर हीरोइन, उसकी मम्मी और हेयरड्रेसर सिर्फ तीन औरतें होती थीं। बाकी चूड़ियों से लेकर कंटिन्यूटी तक सब हम खुद करते थे। आज सेट पर इतनी सारी लेडीज होती हैं, लेकिन आज भी मेरी लेडी कोरियोग्राफर या एडिटर बताती हैं कि पुरुषों को ऑर्डर देना कितना मुश्किल है। उन्हें उनके ईगो को मैनेज करना पड़ता है, तब काम होता है तो ये कहानी तो पुरानी होगी नहीं। अलग-अलग तरह से हम हर बार इसका सामना करते हैं।

आपने मैंने प्यार किया से लेकर हम आपके हैं कौन जैसी इतनी सारी कामयाब फिल्में बनाई हैं। आज के दौर में थिएटर में फिल्में जिस तरह संघर्ष कर रही हैं, मेकर्स कहां गलती कर रहे हैं?

हमारी गलती यह है कि आज मार्केटिंग पर जोर ज्यादा बढ़ गया है। सबकी नजर बस ओपनिंग डे, वीकेंड कलेक्शन पर रहती है। जबकि, फैमिली ऑडियंस संडे के बाद थिएटर में आना शुरू होती है। उनकी सोच ये होती है कि पहले सुन लो कि फिल्म कैसी है। मैं तब जाऊं जब पार्किंग की टेंशन न हो, ट्रैफिक कम हो। जबकि, हम लोग वीकेंड के बाद इंतजार ही नहीं करना चाहते। वीकेंड तक ही सब कमा लेना चाहते हैं और जब ऐसी सोच हो तो मेकर्स सुरक्षित रास्ता ही अपनाते हैं, लेकिन ये एक दौर है।

आप फैमिली वाली फिल्में बनाते हैं और आपकी फिल्मों के प्रेम यानी सलमान खान निजी जिंदगी में खुद बड़े फैमिली मैन हैं। आपको लगता है कि आप दोनों की रिश्तों की मजबूती में यह भी एक पहलू रहा?

सभी चीजें रहीं। जब आप किसी के साथ अपना करियर शुरू करते हैं तो वह रिश्ता ही अलग होता है। हमारी दोस्ती 20-21 की उम्र में शुरू हुई और तब से चल रही है। हममें बहुत सी बातें कॉमन हैं। हम दोनों परिवार के सबसे बड़े बेटे हैं। वह भी समान जिम्मेदारी महसूस करते हैं। हम एक ही वैल्यू सिस्टम में यकीन करते हैं। एक पीढ़ी से हैं तो यह एक साथ स्कूल जाने जैसा है। यह रिश्ता शब्दों से परे है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।